

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8>>

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा..



युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण देने के लिए

## सिंगापुर में कौशल विकास के लिए किया एमओयू

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सिंगापुर यात्रा के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ ने कौशल विकास और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण देने के लिए सिंगापुर की आईटीई एजुकेशन सर्विसेज सिंगापुर के साथ एमओयू किया गया। वहीं एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 350 करोड़ का नया निवेश प्रस्ताव भी मिला। इसके साथ ही सिंगापुर यात्रा में छत्तीसगढ़ को मिले एफडीआई निवेश प्रस्तावों की राशि बढ़कर 43,600 करोड़ हो गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालाकृष्णन से भी मुलाकात की। इसके अलावा दुनिया की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ निवेश और साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

छत्तीसगढ़ ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के नामांकन पर पहले सिंगापुर-भारत विकास नेटवर्क (एसआईएनजी)

फोरम 2026 में भाग लिया है।

### युवाओं को रोजगार से जोड़ने वाली स्किलिंग पर जोर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ सरकार और आईटीई एजुकेशन सर्विसेज सिंगापुर के बीच तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री और प्रतिनिधिमंडल ने द्वुज्जध कॉलेज का भ्रमण कर वहां के उद्योग आधारित प्रशिक्षण मॉडल को भी समझा।

सिंगापुर में सिक्को, बीवायडी और सिंगापुर एयरलाइंस जैसी बड़ी कंपनियां आईटीई कॉलेजों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम तैयार करने, प्रशिक्षण देने और जरूरी उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग करती हैं। इसी अनुभव का लाभ छत्तीसगढ़ में भी लिया जाएगा। इससे उद्योगों की जरूरत के मुताबिक पाठ्यक्रम तैयार करने, प्रशिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देने और युवाओं के लिए



रोजगार के नए अवसर तैयार करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि निवेश से उद्योग आते हैं और कुशल युवा उन उद्योगों की ताकत बनते हैं। सिंगापुर ने कौशल विकास का एक सफल मॉडल तैयार किया है। हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को भी उद्योगों की

जरूरत के मुताबिक आधुनिक प्रशिक्षण मिले और वे अपने प्रदेश में ही बेहतर करियर बना सकें। प्रदेश में आने वाले उद्योगों को उनकी जरूरत के अनुसार कुशल युवा यहीं मिलें।

### किसानों की उपज को मिलेगा बड़ा बाजार

### आसमान से दुश्मन पर नजर

#### रखेगी तीसरी आंखें

**नई दिल्ली।** डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने देश में ही विकसित हार्ड-प्लेट्डीयूड प्लेटफॉर्म (एचएपीएस) का सफल फ्लाइट ट्रायल किया है। इस एक्सपेरिमेंटल फ्लाइट ने समुद्र तल से 21 किलोमीटर (एमएमएसएल) की ऊंचाई हासिल की और जमीन पर वापस लाने का कमांड मिलने से पहले 30 मिनट से ज्यादा समय तक 20 किलोमीटर (एमएमएसएल) की ऊंचाई पर बनी रही। सिस्टम को सफलतापूर्वक रिकवर कर लिया गया और फ्लाइट परफॉर्मेंस डेटा का विश्लेषण किया गया। पूरी उड़ान के दौरान, जमीनी कंट्रोल स्टेशन पर एयरबोर्न प्लेटफॉर्म से रियल-टाइम वीडियो डेटा और गाड़ी के सभी पैरामीटर हासिल किए गए, जिन्से उड़ान का अपेक्षित प्रदर्शन दिखाई दिया। इस सिस्टम में कई तरह के इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोल इलेक्ट्रॉनिक पैकेज लगे थे, जैसे कि इनर्शियल मेजूरमेंट यूनिट, ग्लोबल पोजिजनिंग सिस्टम रिसीवर, ऑनबोर्ड कैमरे, ऊंचाई कंट्रोल करने वाला मैकेनिज्म और कई अन्य सब-सिस्टम।

**नई दिल्ली।** शिवसेना के चुनाव चिह्न विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौखिक रूप से सवाल किया कि क्या दलबदल के सांविधानिक पाप के आरोपी लोगों पर भी पार्टी के चुनाव चिह्न से जुड़ी भावना लागू होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह सवाल उस समय किया जब वह इस मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी कि क्या निर्वाचन आयोग ने शिवसेना के चुनाव चिह्न का आवंटन करते समय मुख्य रूप से विधायी संख्या बल पर भ्रोसा करके सही तरीका अपनाया था।

पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के अलावा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन शामिल हैं। मामला



शिवसेना में विभाजन से जुड़ी कई याचिकाओं से संबंधित है। इनमें निर्वाचन आयोग के उस फैसले को चुनौती भी शामिल है, जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को वास्तविक शिवसेना माना गया था और उसे धनुष-बाण चुनाव चिह्न दिया गया था।

मंगलवार को शिंदे गुट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने दलीलें रखीं। कौल ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला

देते हुए निर्वाचन आयोग के विधायी बहुमत के आधार पर फैसला करने का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह परीक्षण राजनीतिक दल की पहचान तय करने के लिए कानूनी रूप से वैध और प्रासंगिक बना हुआ है। यह निर्धारण चुनाव चिह्न आदेश के तहत किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति बागची ने सवाल किया कि ऐसी स्थिति में पार्टी के चुनाव चिह्न का इस्तेमाल कैसे होना चाहिए, जब जिन सदस्यों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही चल रही है, वे बाद में अपनी सदस्यता खो देते हैं। उन्होंने पूछा, क्या चुनाव चिह्न की भावना उन लोगों के लिए लागू होगी, जिन्होंने सांविधानिक पाप किया है, या उन लोगों के लिए जो इस सांविधानिक पाप की शिकायत कर रहे हैं?

## राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

### नेहरू प्लेस नो-हॉकिंग जोन घोषित दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर क्षेत्र को नो-हॉकिंग जोन और नो-वैंडिंग जोन घोषित कर दिया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति दिनेश भट्ट की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाते हुए 90 चिन्हित विक्रेताओं को अस्थायी रूप से एक निर्धारित स्थल पर वैंडिंग की अनुमति दी है। यह अनुमति टाउन वैंडिंग कमिटी-आईआई के फैसले तक सीमित रहेगी। कोर्ट ने कहा कि नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर में बार-बार दिए गए न्यायिक आदेशों के मद्देनजर यह क्षेत्र नो-हॉकिंग और नो-वैंडिंग जोन है। इसलिए चिन्हित विक्रेताओं को छोड़कर अन्य विक्रेताओं को यहां वैंडिंग का कोई वैध अधिकार नहीं है। खंडपीठ ने कहा, यदि स्ट्रीट वेंडर्स नो-वैंडिंग जोन में वैंडिंग कर रहे हैं, तो एमसीडी या संबंधित प्राधिकरण का कर्तव्य है कि उन्हें नो-वैंडिंग जोन से वैंडिंग जोन में स्थानांतरित करने में सहायता करे, ताकि उन्हें आजीविका कमाने का व्यावहारिक विकल्प मिल सके। यह मामला नेहरू प्लेस में हॉकिंग और वैंडिंग से जुड़े कई याचिकाओं और एक अवमानना याचिका से जुड़ा है। 2009 में मनुषी संगठन बनाम डीडीए मामले में 67 विक्रेताओं को नेहरू प्लेस के एक निर्धारित क्षेत्र में वैंडिंग की अनुमति दी गई थी।

### राहुल मानहानि केस में कोर्ट में बहस अधूरी, आज सुनवाई

**सुलतानपुर।** (उ०), छह अक्टूबर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एक मानहानि मामले में सुलतानपुर की एक विशेष अदालत में जारी सुनवाई मंगलवार को पूरी नहीं हो सकी। इसकी वजह से अदालत ने सात अक्टूबर की तिथि निर्धारित की। वादी के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि राहुल गांधी के खिलाफ सुलतानपुर की एक विशेष अदालत में चल रहे मानहानि के मामले में उन्होंने परिव्रादी भाजपा नेता विजय मिश्र की ओर से बहस की लेकिन बहस पूरी न होने पर आगे की बहस के लिए अदालत ने सात अक्टूबर की तिथि नियत की है। समाचारपट्टे अधिवक्ता पांडेय ने गत 21 सितम्बर को बहस शुरू की थी, लेकिन बहस पूरी नहीं हो सकी थी, जिस पर विशेष न्यायाधीश शुभम वर्मा ने आगे की सुनवाई के लिए 29 सितम्बर की तिथि नियत की थी मगर 29 सितम्बर को एक वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन होने पर सुनवाई नहीं हो सकी जिसके बाद सुनवाई के लिए एक अक्टूबर की तिथि निर्धारित की गयी थी। हालांकि वादी के अधिवक्ता के अवस्थ होने के कारण एक अक्टूबर की सुनवाई फिर टल गई थी।

### सीएम मान के कैप ऑफिस पर सीबीआई का छापा

**चंडीगढ़।** सीबीआई ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी (विशेष ड्यूटी अधिकारी) राजबीर घुमन के संगरूर स्थित घर और उनके भाई के मोहाली स्थित घर पर छापेमारी की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीबीआई की टीम ने मोहाली के फेज-11 में गुरकिरपाल सिंह थिंद (ओएसडी राजबीर घुमन के भाई) के घर पर भी छापा मारा है। इसके साथ ही, सीबीआई की टीम मुख्यमंत्री कार्यालय में भी पहुंची हुई है। आरोपियों पर अधिकारियों की पोस्टिंग में कथित तौर पर प्रभाव डालने और हेरफेर करने, विभागीय कार्रवाई, नीति निर्माण, प्रशासनिक मंजूरियों, टेंडर की शर्तों, लाइसेंसिंग, लैंड यूज कन्वर्जन, संपत्ति विवाद तथा राजस्व और भूमि से जुड़े मामलों में कथित तौर पर आर्थिक लाभ लेकर काम कराने के आरोपों की जांच की जा रही है। मामले में यह आरोप भी है कि कुछ सरकारी अधिकारियों ने सरकारी की ओर से आदेश और नीतियां जारी होने से पहले उनके ड्राफ्ट निजी व्यक्तियों तक पहुंचाए। सीबीआई ने राजबीर घुमन, नितिन गोहल, जितिन गोहल उर्फ राजा, रोमी राजा महाजन, बीर देवेंद्र और आरएस नागरा समेत अज्ञात सरकारी कर्मचारियों व निजी व्यक्तियों को मामले में नामजद किया है।

### एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित बनेंगे वायुसेना प्रमुख

**नई दिल्ली।** एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह 31 अक्टूबर 2026 को दोपहर एयर चीफ मार्शल के पद पर कार्यभार संभालेंगे और 31 दिसंबर 2028 तक इस पद पर रहेंगे। वह मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे, जो 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होंगे। एयर मार्शल दीक्षित फिलहाल वायुसेना के उप चीफ थी। करीब चार दशक के करियर में उन्होंने परिचालन, प्रशिक्षण, परीक्षण और रणनीतिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। एयर मार्शल दीक्षित को स्वदेशी विमानन परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। उप प्रमुख और अन्य वरिष्ठ पदों पर रहते हुए वह तेजस एमके-1ए, तेजस एमके-2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान यानी एएमसीए जैसे कार्यक्रमों से जुड़े रहे। बंगलूरू स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में भी उन्होंने तेजस एमके-1ए और अन्य स्वदेशी विमानन

### भाजपा के 8 और सपा के 2 प्रत्याशियों की निर्विरोध जीत तय

**लखनऊ।** छह अक्टूबर उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया मंगलवार को समाप्त होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आठ और समाजवादी पार्टी (सपा) के दो उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय हो गया है। दो निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं होने के कारण बाकी सभी 10 उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना लगभग तय है। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के 10 सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है, जिसके चलते इन सीट पर चुनाव कराया जा रहा है। समाचारपट्टे राज्यसभा चुनाव के निर्वाचन अधिकारी अजीत वर्मा ने मंगलवार को पीटीआई-आई को बताया कि तकनीकी रूप से 12 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें भाजपा के आठ और सपा के दो उम्मीदवार शामिल हैं। हालांकि निर्दलीय उम्मीदवार कटे स्याना और ऑंकार नाथ चौरसिया के नामांकन पत्रों में 10 विधायकों के अनिवार्य हस्ताक्षर नहीं हैं, इसलिए जांच के दौरान दोनों के नामांकन खारिज कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्रों की जांच सात अक्टूबर को होगी और नौ अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकते हैं और अगर जरूरी हुआ तो 16 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा।

## भारतीय क्रु वाले जहाज पर रूस ने दनादन दाग दिए ड्रोन

**नई दिल्ली।** भारत ने ब्लैक सी में कर्मशियल जहाज एमवी रॉयड मम्माडोव पर हुए हमले की निंदा की। इस हमले में दो विदेशी नाविकों की मौत हो गई और भारतीय नागरिकों समेत क्रु के कुछ सदस्य घायल हो गए। तुर्की के मालिकाना हक वाले इस सिविलियन कार्गो जहाज पर ब्लैक सी में एक रूसी ड्रोन से हमला हुआ था। विदेश मंत्रालय (एमईए) के मुताबिक, जहाज के क्रु में शामिल तीनों भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम ब्लैक सी में एमवी रॉयड मम्माडोव पर हुए हमले की निंदा करते हैं, जिसमें दो विदेशी नाविकों की मौत हो गई और भारतीय नागरिकों समेत क्रु के कुछ सदस्य घायल हो गए। घायल लोगों को रोमानियाई अधिकारियों ने बचा लिया है और उनका इलाज चल रहा है। जहाज के क्रु में शामिल तीनों भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। हम इस घटना में तेजी से कार्रवाई करने



के लिए रोमानियाई अधिकारियों का धन्यवाद करते हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत कर्मशियल शिपिंग और समुद्री कर्मचारियों पर होने वाले हमलों को लेकर बहुत चिंतित है। मंत्रालय ने कहा कि इंटरनेशनल वॉटरवेज में जहाजों को निशाना बनाने से दुनिया भर में व्यापार और लोगों की भलाई पर बुरा असर पड़ रहा है। मंत्रालय ने आगे कहा हम जारी संघर्षों को खत्म करने के लिए बातचीत और सुप ऑफ फ्रेंड्स ऑन सेप्टी एंड सिक्योरिटी ऑफ शिपिंग एंड सीफ्रेयरस शुरू किया था।

## राहुल-प्रियंका गांधी हिरासत में

### सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कर रहे थे प्रदर्शन

**नई दिल्ली।** मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आकाशवाणी भवन में विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस ने केसी वेणुगोपाल और अमरिंदर सिंह राजा वॉटिंग समेत कांग्रेस सांसदों को भी हिरासत में लिया। यह घटना तब हुई जब इंडिया गठबंधन के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आकाशवाणी भवन में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इमरान प्रतापगढ़ी और कोडिकुनिल सुरेश समेत कांग्रेस के अन्य सांसदों को भी दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मंगलवार को राहुल गांधी विपक्ष के सड़क पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के केंद्र में रहे। उन्होंने सैकड़ों समर्थकों और विपक्षी सांसदों के साथ पास ही स्थित चुनाव आयोग के



दफ्तर की ओर मार्च करने की कोशिश की, जिससे पार्लियामेंट स्ट्रीट पर पूरी तरह से लॉकडाउन जैसी स्थिति बन गई।

वहां मौजूद लोगों के उत्साह से प्रेरित होकर, वे एक समय स्टील के कई लेयर वाले बैरिकेड्स पर चढ़ गए, उन पर खड़े होकर तिरंगा लहराया और फिर पुलिस घेरे से बचकर ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) के परिसर में घुस गए। सूरज ढलने के बाद भी वे आठ घंटे से ज्यादा समय तक एआईआर परिसर के अंदर डटे

### चुनाव आयोग को बैठक के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला

हालाँकि, चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि उन्हें किसी भी राजनीतिक दल से बैठक के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है। विपक्ष का आरोप है कि सीईसी कुमार सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव प्रक्रिया संप्रदायी पार्टी के पक्ष में हो। इस बीच, सत्ताधारी भाजपा ने राहुल गांधी पर कामबोरो होने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें दूसरों पर वोट गरो होने का आरोप लगाने के बजाय जमीनी स्तर पर काम करना चाहिए।

रहे और पुलिस के साथ आमना-सामना करते रहे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को चुनाव आयोग के दफ्तर तक पहुंचने से रोकने के लिए संयम के साथ-साथ दृढ़ता भी दिखाई।

राज्यसभा सदस्य के रूप में इन दो मंत्रियों का कार्यकाल नवंबर में समाप्त होने जा रहा

## राज्य सभा चुनाव से तैयार हुई मोदी सरकार में फेरबदल की पृष्ठभूमि

### कृष्णमोहन झा

भाजपा ने इसी माह में होने जा रहे राज्य सभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की जो सूची गत दिवस जारी की है उनमें पेट्रोलियम मंत्री मंत्री हरदीप सिंह पुरी और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वी एल वर्मा शामिल नहीं हैं। राज्यसभा सदस्य के रूप में इन दोनों मंत्रियों का कार्य काल नवंबर में समाप्त होने जा रहा है। जाहिर सी बात है कि इसके बाद उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ेगा। यूं तो संवैधानिक प्रावधानों के तहत वे संसद और मंत्रियों का सदस्य न होते हुए भी आगामी 6 माह तक मंत्री पद पर बने रह

सकते हैं परंतु चूंकि पूर्व केंद्रीय मंत्रियों रक्तेनी सिंह बिंदू और जार्ज कुरियन ने भी राज्य सभा को टिकट न मिलने के बाद मंत्री पद छोड़ दिया था इसलिए अग्रे यह तय माना जा रहा है कि हरदीप सिंह पुरी और बनवारी लाल वर्मा भी नवंबर के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं रहेंगे। उधर नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी के आरोपों ने जुलाई में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देने के लिए विवश कर दिया था। इस तरह पिछले पांच माहों में केंद्रीय मंत्रिमंडल के पांच सदस्यों के इस्तीफे हो चुके हैं। इसके अलावा तीन और मंत्रियों का भी जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा तय माना जा रहा

है। ये तीन मंत्री हैं पीयूष गोयल, हर्ष मल्होत्रा और पंकज चौधरी। पीयूष गोयल अब भाजपा के कोषाध्यक्ष बन चुके हैं और हर्ष मल्होत्रा तथा पंकज चौधरी को क्रमशः दिल्ली और उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिल चुकी है। चूंकि भाजपा एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत से कभी समझौता नहीं करती इसलिए केंद्रीय मंत्रिमंडल में अब उनके स्थान भी खाली हो सकते हैं। जाहिर सी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी सरकार में कुछ नये चेहरों को शामिल करने के लिए निकट भविष्य में ही अपने मंत्रिमंडल का पुनर्गठन कर सकते हैं और इसके साथ ही यह कयास लगने शुरू हो गये हैं कि प्रधानमंत्री मोदी



जब भी अपने मंत्रिमंडल का पुनर्गठन करेंगे तो उसका स्वरूप क्या होगा। साथ ही इस बात को लेकर भी उत्सुकता है कि क्या प्रधानमंत्री अपने मंत्रिमंडल का विस्तार भी कर सकते हैं। वैसे केंद्रीय मंत्रिमंडल के पुनर्गठन में कुछ मंत्रियों के परफॉर्मेंस के आधार पर उनके विभागों में फेरबदल की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

उत्तर प्रदेश में जिन दस राज्य सभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव हो रहे हैं

उनमें से आठ सीटों पर भाजपा की जीत तय है जिनके लिए घोषित आठ उम्मीदवारों में से तीन सवर्ण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग से आते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार भी इन उम्मीदवारों में शामिल है। भाजपा ने उम्मीदवारों का चयन राज्य में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से समाजवादी पार्टी को दस राज्य सभा सीटों में से दो सीटों पर जीत मिलना तय है। जिनके लिए पार्टी ने रामगोपाल यादव और धनराज नाथवानी को

उम्मीदवार बनाया है। पहले यह संभावना भी व्यक्त की जा रही थी कि भाजपा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को भी किसी राजस्व उम्मीदवार घोषित कर सकती है परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि पार्टी उनकी श्रुति गंगवार की इन उम्मीदवारों में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है। भाजपा ने उम्मीदवारों का चयन राज्य में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से समाजवादी पार्टी को दस राज्य सभा सीटों में से दो सीटों पर जीत मिलना तय है। जिनके लिए पार्टी ने रामगोपाल यादव और धनराज नाथवानी को

विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रचार अभियान में उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी जावे वैसे हरदीप सिंह पुरी अंदर ही अंदर स्वयं भी यह मानते होंगे कि मोदी सरकार में? मंत्री रहते हुए जब एकाधिक बार उन्हें न केवल असहज स्थिति का सामना करना पड़ा बल्कि सफाई देने के लिए भी विवश भी होना पड़ा था। मोदी सरकार के एकमात्र सिख मंत्री हरदीप सिंह पुरी के द्वारा अपने पद से इस्तीफा दिए जाने की स्थिति में अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किये जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है जो पहले भी मोदी सरकार में मंत्री रह चुकी हैं।



### 2 गाड़ियों से 12 मवेशी जल्त, फटार आरोपियों की तलाश जारी

धमतरी। धमतरी जिले में पशु तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां दो पिकअप वाहनों से 12 मवेशी बरामद किए गए हैं। वहीं आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में पुलिस जुट गई है। यह पूरा मामला मगरलोड थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि डाभा दोनर मार्ग पर मवेशियों से भरी एक पिकअप वाहन पलटी हुई मिली और कुछ ही दूरी पर एक और पिकअप खड़ी हुई मिली, जिसमें भी मवेशी दूंस-दूंसकर भरे हुए थे। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना मगरलोड थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर थाने लाई। जांच के दौरान दोनों पिकअप वाहनों से 12 मवेशी जीवित पाए गए, जबकि एक मवेशी मृत अवस्था में मिला। आशंका है कि वाहन पलटने से उसकी मौत हुई होगी। फिलहाल दोनों वाहन पुलिस के कब्जे में हैं और पुलिस ने अज्ञात पशु तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। सवाल ये है कि आखिर जिले में लगातार हो रही पशु तस्करी पर लगाम कब लगेगी ?

### यात्रीगण ध्यान दें: सप्ताह में दो दिन चलेगी अंबिकापुर- निजामुद्दीन एक्सप्रेस



अंबिकापुर। सरगुजा के रेल यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। अब अंबिकापुर- निजामुद्दीन एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन चलेगी। अंबिकापुर से दिल्ली के लिए ट्रेन का दूसरा साप्ताहिक फेरा शुरू हो गया है। सांसद चिंतामणि महाराज ने आज हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया।इस अतिरिक्त फेरे से दिल्ली समेत देश के प्रमुख शहरों के लिए आवागमन का विकल्प बढेगा। विद्यार्थियों, व्यवसायियों और नौकरीपेशा लोगों को भी इसका फायदा मिलेगा। दूसरे साप्ताहिक फेरे को सरगुजा में रेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। बता दें कि सांसद चिंतामणि महाराज ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर अंबिकापुर- निजामुद्दीन एक्सप्रेस का दूसरा साप्ताहिक फेरा शुरू करने की मांग उठाई थी, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। सांसद ने कहा कि यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा और कनेक्टिविटी देना प्राथमिकता है।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

### श्मशान घाट की जमीन पर अतिक्रमण, फसल बोने का आरोप

धमतरी। जिले के बोडरापुरी गांव में जिस जमीन पर वर्षों से ग्रामीणों के अंतिम संस्कार किए जाते रहे हैं, वहां अतिक्रमण कर फसल उगाए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही कुछ दबंग लोगों ने करीब 6 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले पुराने श्मशान घाट की जमीन पर कब्जा कर लिया है। ग्रामीणों के मुताबिक, यह अतिक्रमण पिछले करीब तीन वर्षों से जारी है। जिस जगह पर कभी चिताएं जला करती थीं और लोगों को अंतिम विदाई दी जाती थी, वहां अब खेत तैयार कर फसलें उगाई जा रही हैं। श्मशान घाट की जमीन पर कब्जे के चलते अब गांव में किसी व्यक्ति की मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची है। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि श्मशान घाट जैसी सार्वजनिक और संवेदनशील जमीन को भी अतिक्रमण से नहीं बख्शा गया। मामले से नाराज बड़ी संख्या में ग्रामीण मांगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के सामने अपनी शिकायत रखी। ग्रामीणों ने मांग की है कि श्मशान घाट की जमीन को तत्काल सीमांकन कराकर उसे अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।

## जर्जर भवन और झोपड़ी में सरकारी स्कूल से परेशान ग्रामीण

**कांकेर।** जिले के अंतागढ़ विकासखंड की खनन प्रभावित ग्राम पंचायत सुरेवाही में सरकारी स्कूलों की बदहाली ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।पंचायत के तीन स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित और पर्याप्त भवन तक उपलब्ध नहीं है। कहीं जर्जर पंचायत भवन में कक्षाएं लग रही हैं तो कहीं झोपड़ी में बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। स्कूल भवनों की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तीनों स्कूलों के लिए नवीन भवन स्वीकृत करने की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सुरेवाही का स्कूल भवन करीब चार साल से जर्जर हालत में हैं। इसके कारण करीब 50 बच्चों की कक्षाएं पंचायत भवन में संचालित की जा रही हैं। यहां चार शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे हैं।बरसात के दौरान जर्जर भवन के कारण बच्चों की सुरक्षा को



लेकर भी खतरा बना रहता है। इसी तरह शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला घुमर का भवन भी जर्जर हो चुका है। ग्रामीणों ने पुराने भवन की जगह नया स्कूल भवन बनाने की मांग की है। वहीं शासकीय प्राथमिक शाला छिंदभाट के लिए स्कूल भवन ही उपलब्ध नहीं है और यहां झोपड़ी में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।उप

सरपंच श्रवण दुग्गा ने बताया कि सुरेवाही और घुमर की माध्यमिक शालाएं पंचायत भवन में संचालित हो रही हैं, जबकि छिंदभाट की प्राथमिक शाला झोपड़ी में चल रही है।

मामले में कलेक्टर ने बताया कि सुरेवाही में एक अतिरिक्त कक्षा की स्वीकृति पहले ही दी जा चुकी है। माध्यमिक शाला

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

### खनन प्रभावित क्षेत्र सुरेवाही में नए भवन की मांग

सरपंच शिवनाथ नेताम ने बताया कि सुरेवाही प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र में आता है। क्षेत्र से सरकार को करोड़ों रुपये की रॉयल्टी मिलने के बावजूद बच्चों के लिए नए स्कूल भवन की स्वीकृति नहीं हो पाया चिंता का विषय है।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

### जर्जर भवन और झोपड़ी में सरकारी स्कूल से परेशान ग्रामीण

## छत्तीसगढ़

## नक्सल मुक्त घोषित होने के बाद कांकेर में बड़ी वारदात

### लौह खदान की 3 मशीनों में लगाई आग, मिले पर्चे

**भानुप्रतापपुर।** क्या नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो चुका है? यह सवाल एक बार फिर उठने लगा है। छत्तीसगढ़ में 31 मार्च 2026 को ‘नक्सल मुक्त’ घोषित किए जाने के बाद कांकेर जिले में सामने आई एक घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोहतरर थाना क्षेत्र के ग्राम चेमल स्थित पुष्प स्टील लिमिटेड की लौह अयस्क खदान में अज्ञात तत्वों ने खड़ी मशीनों में आग लगा दी। घटना में तीन पोकलेन मशीनें जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं मौके से दो पर्चे भी मिले हैं, जिनमें खदान को नियमित रूप से संचालित करने और एक सप्ताह के भीतर मांगें मानने की बात लिखी गई है। पर्चों में ‘लाल सलाम’ भी लिखा हुआ है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस घटना को नक्सली वारदात होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि बीती शाम खदान में काम खत्म होने के बाद सभी मजदूर अपने-अपने स्थान और कैंप में लौट गए थे।

सुबह जब मजदूर दोबारा काम पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि खदान में खड़ी मशीनों में आग लगी हुई थी। आग की चपेट में आने से तीन पोकलेन मशीनें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं। इसके बाद घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, जिसके बाद लोहतरर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए



स्थलक शेर बहादुर सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर आग लगने की वजह और घटना में शामिल लोगों के बारे में सुराग तलाश रही है। पुलिस आसपास के इलाके की भी जांच कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात घटनास्थल से मिले दो पर्चे हैं। बताया जा रहा है कि पर्चों में खदान को नियमित रूप से संचालित करने और एक सप्ताह के भीतर मांगें मानने की बात लिखी गई है। साथ ही पर्चों पर ‘लाल सलाम’ लिखा हुआ है। पर्चों की भाषा और घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए वारदात को नक्सली गतिविधि से जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन, अभी यह स्पष्ट नहीं

### एमसीबी में बंदरों ने जीना किया मुहाल, गेल्हापानी में सबसे ज्यादा आतंक

**एमसीबी।** छत्तीसगढ़ के वनांचल जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में जंगली बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं। बंदरों का उत्पात सबसे ज्यादा चिरमिरी नगर पालिका के वार्ड 9 में है। यहां के गेल्हापानी में लगातार जंगली बंदर लोगों को परेशान कर रहे हैं। जंगल से निकलकर बंदरों के झुंड अब सीधे रिहायशी इलाकों, घरों और दुकानों तक पहुंच रहे हैं। इस इलाके के दुकानदार लाठी लेकर दुकान के बाहर खड़े रहने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि गेल्हापानी क्षेत्र में रोजाना बड़ी संख्या में बंदरों के झुंड पहुंच रहे हैं। कई बार इनकी संख्या 100 से 150 तक बताई जा रही है। बंदर घरो में घुसकर रसोई में रखा तैयार खाना उठा ले जाते हैं। दरवाजा खुला मिलते ही घर के भीतर पहुंचकर घरेलू सामान को उधर-उधर बिखेर देते हैं और कई बार तोड़फोड़ भी कर देते हैं। बंदरों के आतंक का सबसे ज्यादा असर बच्चों और बुजुर्गों पर देखने को मिल रहा है। सड़क से सामान लेकर गुजर रहे बच्चों पर बंदर झपट्टा मारकर सामान छीन लेते हैं। इससे अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर डर बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब छोटे बच्चों को अकेले बाजार भेजना भी मुश्किल हो गया है। बंदरों के हमले में कई लोग घायल भी हो चुके हैं। लोगों का दावा है कि आए दिन बंदर किसी न किसी व्यक्ति को काट रहे हैं। इससे क्षेत्र में बंदरों और इंसानों के बीच टकराव का खतरा लगातार बढ़ रहा है।गेल्हापानी में बंदरों का आतंक सिर्फ घरों तक सीमित नहीं है। बाजार और दुकानदार भी इनसे परेशान हैं। बंदरों के झुंड दुकानों की छतों पर पहुंचकर छत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मौका मिलते ही दुकान के भीतर घुसकर खाद्य सामग्री और अन्य सामान उठाकर भाग जाते हैं।



### कोरबा मेडिकल कॉलेज के छात्रों में रोष, प्रबंधन बोला ऑल इज वेल

**कोरबा।** पेपर लीक कांड के बाद नीट की परीक्षा दूसरी बार ली गई। इसके बाद देश भर के मेडिकल कॉलेज में काउंसिलिंग के बाद मेडिकल सीटें भर गई हैं। कोरबा जिले के मेडिकल कॉलेज में भी पहली काउंसलिंग के बाद ही सभी 125 सीट फुल हो चुकी है। सीट फुल होने के बाद अब कॉलेज प्रबंधन के सामने दूसरी समस्या खड़ी हो गई है। 124 एकड़ में कॉलेज का नया भवन गांव भुलसीडीह में निर्माणाधीन है, इसका भवन का निर्माण पूरा कब होगा अधिकृत तौर पर इसकी जानकारी किसी के पास मौजूद नहीं है।

कॉलेज का संचालन फिलहाल झगरहा स्थित आईटी कोरबा इंजीनियरिंग कॉलेज के उधार के भवन में किया जा रहा है। यहां बॉयज हॉस्टल में अधिकतम 240 बच्चों को ही रखा जा सकता है, लेकिन अब बच्चों की संख्या बढ़कर 600 हो गई है। एडमिशन के बाद जैसे ही बच्चों की संख्या बढ़ी कॉलेज प्रबंधन ने बॉयज हॉस्टल के प्रवेश पर मौजूद एक बड़े हॉल को डॉरमेट्री में परिवर्तित कर दिया है। कॉलेज का



नया भवन अभी तैयार नहीं हुआ है। जबकि हॉस्टल के लिए वैकल्पिक भवन की तलाश अभी जारी है। ऐसे में भविष्य में डॉक्टर बनने का सपना लिए एमबीबीएस के प्रथम सेमेस्टर में एडमिशन लेने वाले भावी चिकित्सक, अब डॉरमेट्री वाली व्यवस्था में रहने को विवश हैं। एडमिशन के बाद जब छात्र कॉलेज पहुंचे, तब उन्हें कॉलेज के हॉस्टल की बदहाली का पता चला।

छात्रों में व्यवस्था के प्रति रोष है, लेकिन 4 साल इसी कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई करनी है। इसलिए वो खुलकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। लेकिन कई छात्रों ने व्यवस्था के प्रति बेहद नाराजगी जताई की है और कहा है कि कॉलेज प्रबंधन को कम से कम सर्वसुविधायुक्त हॉस्टल की व्यवस्था तो करनी चाहिए। हॉस्टल की

### अबूझमाड़ में 6 प्रेशर कुकर आईईडी और 1 पाइप बम बरामद



**नारायणपुर।** अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार सघन तलाशी और क्षेत्र सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 5 अक्टूबर 2026 को नारायणपुर पुलिस और 29वीं वाहिनी आईटीबीपी की संयुक्त टीम ने भटबेड़ा क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल, 29वीं वाहिनी आईटीबीपी के कमान अधिकारी अभिषेक सुद और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑफ्स अक्षय साबद्रा के मार्गदर्शन में की गई।नारायणपुर पुलिस अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 29वीं वाहिनी आईटीबीपी और नारायणपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने भटबेड़ा क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान के दौरान 6 प्रेशर कुकर आईईडी और 1 पाइप बम आईईडी बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों ने बरामद विस्फोटक सामग्री को बम निरोधक एवं निष्क्रियता दल की मदद से मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। इसके साथ ही आईईडी निर्माण में इस्तेमाल होने वाली कई सामग्रियां भी बरामद की गई हैं। संयुक्त टीम ने रैनार कैंप से माक्सोली, भाटबेड़ा और रैनार क्षेत्र तक सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों को इलाके में कुछ संदिग्ध वस्तुएं दिखाई दीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जवानों ने तत्काल आसपास के

क्षेत्र को सुरक्षित किया और इसके बाद विस्तृत तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान एक संदिग्ध डंप से कुल 6 प्रेशर कुकर आईईडी और 1 पाइप बम आईईडी बरामद किया गया।

सुरक्षा बलों ने बरामद विस्फोटक सामग्री को अपने कब्जे में लेकर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की। सुरक्षा बलों को मौके से आईईडी निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी मिली है। इनमें 1 मल्टीमीटर, 1 पेचकस, 1 सोल्डरिंग तार, 1 सोल्डरिंग आयरन और 3 वाहन खोलने वाली चाबियां शामिल हैं। इन सामग्रियों की बरामदगी के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में और भी सावधानी के साथ तलाशी अभियान चलाया। बरामद आईईडी को निष्क्रिय करने और सुरक्षित तरीके से नष्ट करने के लिए बम निरोधक एवं निष्क्रियता दल को मौके पर बुलाया गया। दल ने आवश्यक सुरक्षा मानकों और सावधानियों का पालन करते हुए बरामद विस्फोटक सामग्री को मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई का नेतृत्व सहायक उप निरीक्षक मोहन ने किया।

संभावना को भी खंगाला जा रहा है। वहीं स्थानीय स्तर पर सामने आ रही कुछ जानकारीयां इस बात को लेकर भी संदेह पैदा कर रही हैं कि कहीं किसी अन्य व्यक्ति या समूह ने नक्सली अंदाज में इस घटना को अंजाम तो नहीं दिया। फिलहाल फॉरेंसिक जांच और पुलिस की विवेचना के बाद ही घटना की वास्तविक वजह और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सुविधा मिलेगी।फिलहाल बच्चे डोरमेट्री में बेहद अस्त व्यस्त व्यवस्था के बिछबरे रहे हैं।

एक लाइन से बेड लगे हुए हैं, सामान बिखरे हुए हैं। इससे एमबीबीएस जैसी कठिन अध्ययन पर भी असर पड़ेगा। वर्तमान में नया एडमिशन होते ही आईटी कोरबा इंजीनियरिंग कॉलेज के भवन में बच्चों के लिए स्थान रिक्त नहीं है। सभी सेमेस्टर को मिलाकर कोरबा के मेडिकल कॉलेज में अब अध्ययन छात्रों की संख्या 600 पर हो चुकी है।काउंसलिंग के बाद पहले सेमेस्टर में 125 नए बच्चे डॉक्टर बनने की उम्मीद में यहां दाखिला ले चुके हैं। पूर्व में भी डीन केकेस खिले से यह सवाल पूछा गया था तब उन्होंने कहा था कि 125 नए बच्चों के लिए हॉस्टल का संचालन कहां होगा, इसकी तलाश हमने शुरू कर दी है। लेकिन सत्र शुरू होते ही बच्चों ने एडमिशन ले लिया, इसके बावजूद मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने वाले नए बच्चों के आवास में व्यवस्था और हॉस्टल का कोई विकल्प अब भी मेडिकल कॉलेज को नहीं मिला है।

#### जनदर्शन में नें दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश’

**कोरिया।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर ने जिले के दूरस्थ एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आवेदकों से संवाद कर उनके प्रकरणों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में वनपट्टा संबंधी जांच, मानदेय, वृत्ति सुधार, भूमि कब्जा हटवाने, पशु शेड निर्माण के लिए सहायता, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने तथा रिकॉर्ड दुरुस्ती सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन शासन और नागरिकों के बीच सीधे संवाद का माध्यम है। इसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखते हैं और संबंधित विभागों को उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं।

#### देह दान के लिए संकल्पित शीला प्रधान को किया सम्मानित

**महासमुंद।** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता, सरलता और त्वरित रूप से उपलब्ध कराने जिले के नगरीय निकायों में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला मुख्यालय महासमुंद के लोहिया चौक में सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों से संवाद कर शिविर के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि सेवा सेतु शिविर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। शिविर के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सुविधा मिल रही है।

## निलम्बित आरक्षक ने दोस्तों के साथ रची अपने ही घर में चोरी की साजिश,3 गिरफ्तार

**बिलासपुर।** निर्लांबित आरक्षक ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर से करीब 6 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नगदी चोरी कर ली। मां की शिकायत और शक के आधार पर पुलिस ने आरोपी बेटे से पूछताछ की, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। सकरी थाना पुलिस ने आरोपी आरक्षक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया है।मामला सकरी थाना क्षेत्र के सागरदीप कॉलोनी उसलापुर का है। यहां बिन्दावती मिश्रा अपने बेटे आशीष मिश्रा के साथ रहती हैं। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले बिन्दावती मिश्रा किसी काम से रीवा गई थीं। इस दौरान घर पर उनका बेटा आशीष मिश्रा अकेला था। उनके वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नगदी गायब थी। चोरी की घटना के बाद बिन्दावती मिश्रा को अपने बेटे पर ही शक हुआ। मामले की



सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद सकरी पुलिस ने संदेह के आधार पर आशीष मिश्रा से पूछताछ शुरू की। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आशीष मिश्रा ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने घर से सोने-चांदी के जेवर और नगदी चोरी की थी। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने मामले में निर्लांबित आरक्षक आशीष मिश्रा के साथ उसके साथी सूरज सिंह ठाकुर उर्फ मोना और अनुराग चौधरी उर्फ लालू को गिरफ्तार किया है।

## संक्षिप्त समाचार

## राज्यपाल डेका द्वारा छत्तीसगढ़ बाल कल्याण परिषद को ई-रिक्शा प्रदत्त



राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित स्कूल के लिए अपने स्वेच्छानुदान मद से ई-रिक्शा प्रदान किया है। राज्यपाल ने मंगलवार को लोकभवन में ई-रिक्शा की चाँबी सौंपी और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल डेका ने कहा कि बाल कल्याण के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं को इस पहल से जरूरतमंद बच्चों तक सेवाओं और सहायता को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष डॉ. श्रीमती कमल वर्मा, संयुक्त सचिव राजेन्द्र निगम एवं प्रकाश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष श्रीमती इंदिरा जैन उपस्थित रहीं।

## राज्यपाल से कामधेनु विश्वविद्यालय के कार्य परिषद सदस्यों ने की भेंट



को लोक भवन में कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के कार्य परिषद के सदस्यों ने भेंट की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की गतिविधियों तथा गोवंश संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्य परिषद के सदस्यों ने राज्यपाल का ध्यान आकर्षित कराया कि देश के विभिन्न राज्यों में वहां के स्थानीय एवं देशी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के अपने विशिष्ट देशी गोवंश ‘कोसली’ के संरक्षण, संवर्धन और उसकी नस्ल की पहचान को बढ़ावा देने के लिए भी प्रभावी पहल किए जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल श्री डेका ने विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कोसली गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय गोवंश की नस्लों का संरक्षण हमारी जैव विविधता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुपालन परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इस अवसर पर कार्य परिषद के सदस्य श्री सुबोध राठी, डॉ. किरण बघेल, डॉ. भूपरती साहू और डॉ. रिपू सुदन राठौर उपस्थित थे।

## रायपुर कॉर्पोरेशन वॉलीबॉल टीम के लिए खिलाड़ियों का वयन 10 अक्टूबर को

रायपुर। हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल संघ, रायपुरा द्वारा रायपुर कॉर्पोरेशन वॉलीबॉल एसोसिएशन को बालक एवं बालिका टीम के गठन हेतु चयन प्रक्रिया 10 अक्टूबर, शनिवार को शाम 5 बजे, हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल संघ मैदान, महादेव घाट में आयोजित की गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन के अकरम खान एवं हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष सैयद अनवर अली एवं सचिव रमाकांत निषाद ने रायपुर जिले के सभी इच्छुक बालक एवं बालिका खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा तथा वॉलीबॉल खेल को प्रोत्साहन मिलेगा।

## सोलह सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 64.43 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में 16 सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 64 करोड़ 43 लाख 63 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। जल संसाधन विभाग द्वारा महासमुंद जिले के अंतर्गत सरायपाली के कटगी नाला पर ग्राम डुमरपाली में एनीकट निर्माण कार्य के लिए 03 करोड़ 52 लाख 99 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। योजना के कार्य होने पर क्षेत्र में 100 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के कुन्ती नाला व्यवर्तन के शीर्ष कार्य एवं नहरों के कार्यों तथा सी.सी. लाईनिंग कार्य के लिए 04 करोड़ 74 लाख 31 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। स्वीकृत कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र में किसानों को क्षेत्र में 170 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के विकासखण्ड-पिथौरा के अंतर्गत राजाडेरा जलाशय के नहर का सुदृढ़ीकरण एवं लाईनिंग कार्य के लिए 04 करोड़ 95 लाख 88 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। जिससे क्षेत्रिय किसानों को 76 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के जामली जलाशय योजना के विभिन्न कार्यों के लिए 04 करोड़ 24 लाख 05 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है कार्यों के पूर्ण होने पर 202 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के परसदा जलाशय के मरम्मत रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य के लिए 04 करोड़ 22 लाख 82 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। इन कार्यों के पूर्ण होने पर 166 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसी तरह से जिले के छपौराडीह जलाशय की नहरों को लाईनिंग रिमाडलिंग तथा पक्के स्ट्रक्चरों के उन्नयन कार्यों के लिए 03 करोड़ 97 लाख 87 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। कार्यों के पूर्ण होने पर 103 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा निस्तारित होगी। बलौदा-बाजार भाठापारा जिले के अंतर्गत मोहतवा टार बांध योजना के जर्नीद्वार एवं नहर लाईनिंग कार्यों के लिए 02 करोड़ 27 लाख 88 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है।

## विधायक सोनी ने किया विधानसभा स्तरीय सेवा सेतु शिविर व्यवस्था का निरीक्षण

## पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करवाने दिए निर्देश

रायपुर। मंगलवार को सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विधानसभा स्तरीय सेवा सेतु शिविर सरकार आपके द्वार का आयोजन नगर निगम जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत अश्विनी नगर में महाराष्ट्रीयन समाज भवन में किया गया।

सेवा सेतु शिविर की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने किया और विभिन्न शासकीय विभागों के स्टालों की व्यवस्था का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सोनी ने अधिकारियों को सेवा सेतु शिविर के माध्यम से सभी पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का पूर्ण वांछित लाभ अधिकाधिक संख्या में दिलवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही शासकीय योजना का वांछित लाभ सहजता से प्राप्त करने से कदापि वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिया जाना चाहिए।

विधायक सोनी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान निर्माण करने भवन अनुज्ञा स्वीकृति पत्र पात्र हितग्राहियों को मंच पर प्रदत्त किये।



राशन कार्ड पात्र हितग्राहियों को प्रदत्त किये। ड्राइविंग लाइसेंस, नि:शुल्क बस यात्रा पास परिवहन विभाग की ओर से आवेदकों को प्रदत्त किये गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सेवा सेतु शिविर में नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिशुओं का अन्नप्रासन किया गया। इसके पूर्व मंच पर रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने दीप प्रज्ज्वलन कर विधानसभा स्तरीय सेवा सेतु शिविर का आमजनों की सुविधा हेतु रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 4,5,6 के 17 वार्डों के रहवासियों के लिए शुभारम्भ किया। सेवा सेतु शिविर सरकार आपके द्वार अंतर्गत विधानसभा स्तरीय आयोजन में

हजारों की संख्या में हितग्राही पात्रता अनुसार लाभान्वित हो रहे है।

सेवा सेतु शिविर स्थल में रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी सहित रायपुर नगर निगम के आयुक्त संबित मिश्रा, एमआईसी सदस्य श्रीमती सरिता दुबे, अमर गिदवानी, जोन 5 जोन अध्यक्ष अंबर अग्रवाल, जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन 6 जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, श्रीमती दुर्गा साहू, श्रीमती जयश्री नायक, अजय साहू, एल्डरमैन रामकिंकर सिंह, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक सहित रायपुर नगर पालिक निगम एवं विभिन्न शासकीय विभागों के अन्य सम्बन्धित अधिकारियों और कर्मचारियों और हितग्राहियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

## कांग्रेस स्पष्ट करे कि वह भ्रष्टाचारियों के साथ है या भ्रष्टाचार के खिलाफ : भाजपा

## ■ प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर का कोयला घोटाले में देवेन्द्र यादव और रामगोपाल अग्रवाल को आरोपी बनाए जाने पर कड़ा प्रहार



इन भ्रष्ट नेताओं के साथ खड़ी है या भ्रष्टाचार के खिलाफ है ?

ठाकुर ने आर्थिक अपराध शाखा ने कांग्रेस पार्टी के विधायक देवेन्द्र यादव, पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी को प्रदेश की जनता के सामने यह स्थिति स्पष्ट करनी होगी कि वह

से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि ?क्या कांग्रेस पार्टी अपने आरोपी विधायक और कोषाध्यक्ष को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाएगी ? ?या, क्या फिर हमेशा की तरह अपने इन भ्रष्ट नेताओं को बचाने और उनके समर्थन में सड़कों पर उतरेगी ? ?श्री ठाकुर ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमटी के अध्यक्ष दीपक बैज को इसका जवाब छत्तीसगढ़ की जनता को देना होगा। आज पूरे प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा क्या है ? क्या वह भ्रष्टाचारियों के संरक्षण में है या भ्रष्टाचार के खात्मे के पक्ष में ?

## ग्रामीणों की मांग हुई पूरी, जोरंडाझरिया को मिला नया सामुदायिक भवन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण अधोसंरचना और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में फरसाबहार तहसील के ग्राम पंचायत जोरंडाझरिया के ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही सामुदायिक भवन की मांग पूरी हो गई है। मुख्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक विष्णु देव साय के विधायक मद से स्वीकृत 10 लाख रुपए की लागत से गांव में सामुदायिक भवन का निर्माण पूर्ण किया गया है।

नए सामुदायिक भवन के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए गांव में ही सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो गया है। अब ग्रामीणों को विभिन्न आयोजनों के लिए दूसरे स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। भवन का उपयोग सामाजिक कार्यक्रमों, बैठकों एवं अन्य सामुदायिक गतिविधियों के लिए किया जा सकेगा। गांव में इस सुविधा के उपलब्ध होने से सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। विशेष



अवसरों और सामूहिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक स्थायी स्थान मिलने से ग्रामीणों को बड़ी सहूलियत होगी। सामुदायिक भवन का निर्माण पूर्ण होने पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया है। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से सामुदायिक भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उनकी मांग को प्रथमिकाता देते हुए राशि स्वीकृत कर भवन का निर्माण कराया गया, जिससे पूरे गांव को एक महत्वपूर्ण सुविधा मिली है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, भवन सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं के लगातार विस्तार से गांवों में विकास को गति मिल रही है और आम लोगों के लिए आवश्यक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो रही हैं।

## लोक निर्माण विभाग ने 6 कार्यों की निविदा को दी मंजूरी

## ■ बरसात के बाद अब धरातल पर दिखेंगे सड़कों के काम

रायपुर। राज्य शासन ने बरसात के बाद सड़कों के निर्माण में तेजी लाने की तैयारी पूरी कर ली है। लोक निर्माण विभाग ने धमतरी जिले में 6 कार्यों के लिए कुल 101 करोड़ 23 लाख 55 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दी है। इनमें पांच सड़कों में मजबूतीकरण और चौड़ीकरण तथा आमदी नगर पंचायत में फोरलेन गौव पथ एवं सौंदर्यीकरण का काम शामिल है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नए कार्यों की निविदा मंजूर करते हुए धमतरी संभाग के कार्यपालन अभियंता को चर्चयत ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों को कार्यदिश जारी कर तत्काल कार्य



प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं।

लोक निर्माण विभाग ने धमतरी जिले में मेघा रोड तिराहा-स्टेशन रोड-चरमुडिया राष्ट्रीय राजमार्ग-30 में 3.75 किलोमीटर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 14 करोड़ 45 लाख 12 हजार रुपए, पचपेड़ी-तरगांड़ी-भेलवाकुदा-टिपानी-सेमरा (बी) मार्ग में पांच किलोमीटर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 13 करोड़ 32 लाख 82 हजार रुपए, नौ किलोमीटर छाती-गागरा-कंडेल-देवपुर मार्ग के लिए 23 करोड़ 12 लाख 46 हजार रुपए तथा 10

## टाटीबंध-बिरगांव में जल्द खुलेंगे नए रजिस्ट्री दफ्तर

## रजिस्ट्री के लिए कलेक्ट्रेट आने की नहीं पड़ेगी जरूरत

रायपुर। राजधानी रायपुर में जमीन और प्रॉपर्टी की बढ़ती खरीदी-बिक्री को देखते हुए पंजीयन विभाग उपपंजीयक कार्यालयों का विस्तार करने जा रहा है। इसी कड़ी में टाटीबंध और बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में जल्द ही नए उपपंजीयक दफ्तर शुरू किए जाएंगे। इसके लिए विभाग तैयारी में जुटा हुआ है। संभावना है कि आगामी दो महीने के भीतर दोनों क्षेत्रों में उपपंजीयक कार्यालय शुरू हो जाएंगे। इसके बाद टाटीबंध, बिरगांव और आसपास के गांवों के लोगों को रजिस्ट्री के लिए कलेक्टोरेट स्थित मुख्य पंजीयन कार्यालय आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दरअसल, मास्टर प्लान-2031 के तहत राजधानी रायपुर के निवेश क्षेत्र का दायरा पहले की तुलना में काफी बढ़ गया है। पहले निवेश क्षेत्र में 41 गांव शामिल थे, लेकिन नए मास्टर प्लान में 65 नए गांवों को भी इसमें शामिल किया गया है। इस तरह निवेश क्षेत्र में शामिल गांवों की संख्या बढ़कर 106 हो गई है। निवेश क्षेत्र का विस्तार होने के साथ इन गांवों में विकास गतिविधियां और जमीन की

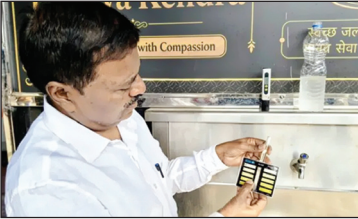


खरीदी-बिक्री भी बढ़ रही है।

प्रॉपर्टी की बढ़ती रजिस्ट्री को देखते हुए पंजीयन विभाग ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक उपपंजीयक कार्यालयों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को उनके क्षेत्र के नजदीक रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराना और मुख्य कार्यालयों में होने वाली भीड़ को कम करना है।

रायपुर कलेक्टोरेट परिसर स्थित मुख्य पंजीयन कार्यालय में त्योहारों और वित्तीय वर्ष के अंत में मार्च क्लोजिंग के दौरान रजिस्ट्री

करने की शर्त पर की गई है। मापदंडों के अनुसार कार्यों का संपादन और पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें, गुणवत्ता व समय-सीमा पर दें विशेष ध्यान – श्री उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने धमतरी संभाग के कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित कार्यों का संपादन और पर्यवेक्षण विभागीय मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित करते हुए कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ये कार्य किसी अन्य को सबलेट नहीं करने तथा कार्य संपादन के लिए पॉवर-ऑफ-अटॉर्नी को मान्य नहीं करने भी कहा है। श्री साव ने अनुबंधित समयावधि में कार्यों को पूर्ण करने, कार्यों का संपादन अनुबंधानुसार प्रशासकीय स्वीकृति एवं आबंटन की सीमा में करने के भी निर्देश दिए हैं।



बसंती देवी जल सेवा केंद्र के पेयजल का भौतिक परीक्षण किया गया तथा अवशेष क्लोरीन एवं टी.डी.एस. की जांच की गई। जांच में पेयजल का नमूना निर्धारित जल गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त जल सेवा केंद्र के पानी की पूर्व में भी 29.09.2026 एवं 01.10.2026 को जांच की गई थी, जिसमें भी पानी की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई थी।

इसी क्रम में प्लेटफॉर्म क्रमांक 5 पर स्थित नल क्रमांक 45 के पानी की भी जांच की गई, जिसमें पानी निर्धारित जल गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाया गया।

इसके अलावा प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के दुर्ग छोर पर स्थित वॉटर कूलर के पेयजल की गुणवत्ता की भी जांच की गई। वहीं, प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर स्थित वाटर वेंडिंग मशीन से बैक्टीरियोलॉजिकल जांच हेतु पेयजल का नमूना संग्रहित किया गया। अभियान के दौरान केवल पेयजल की गुणवत्ता की जांच तक ही सीमित न रहते हुए पेयजल स्थलों की स्वच्छता, जल वितरण व्यवस्था, पानी की उपलब्धता, उपकरणों के रखरखाव तथा यात्रियों के लिए उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पेयजल व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं का मौके पर जायजा लेकर आवश्यक सुधारामक उपायों पर भी ध्यान दिया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्टेशनों पर पेयजल गुणवत्ता की सतत निगरानी की जा रही है।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘हर घर जल’ संकल्प से बदली डांडजमड़ी की तस्वीर सभी 90 घरों तक पहुंचा नल से शुद्ध पेयजल

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तक सुरक्षित और शुद्ध पेयजल पहुंचाने के संकल्प ने छत्तीसगढ़ के सुदूर ग्रामीण अंचलों में लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत जीपीएम जिले के आकांक्षी विकासखंड गौरेला की ग्राम पंचायत डांडजमड़ी के सभी 90 घरों में अब नल से शुद्ध पेयजल पहुंचने लगा है। कभी पानी के लिए दूर स्थित कुएं तक जाना यहां के ग्रामीणों की दिनचर्या का हिस्सा था, लेकिन अब घर के आंगन में नल से पानी मिलने की सुविधा ने विशेषकर महिलाओं और परिवारों के जीवन को अधिक सहज बनाया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण भारत के प्रत्येक परिवार तक नल के माध्यम से सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इस मिशन को तेजी से आगे बढ़ाते हुए दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक पेयजल की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। डांडजमड़ी की उपलब्ध इसी अभियान के जमीनी असर की एक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

डांडजमड़ी की ग्रामवासी श्रीमती ललिता वाकरे के लिए घर में नल से पानी आना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि रोजगार की एक बड़ी परेशानी से मुक्ति है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि पहले पानी लेने के लिए उन्हें घर से दूर स्थित कुएं तक जाना पड़ता था। इसमें समय और मेहनत दोनों लगते थे। अब घर में ही नल से शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। इससे परिवार की दिनचर्या आसान हुई है और



पानी की चिंता भी कम हुई है। ललिता वाकरे का अनुभव उस बदलाव की कहानी है, जो जल जीवन मिशन देश के गांवों में ला रहा है। ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को पानी जुटाने में लगने वाले समय और

श्रम से राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक बन रही है।

जल जीवन मिशन के तहत डांडजमड़ी पंचायत के सभी 90 घरों तक नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति प्रारंभ हो गई है। इस व्यवस्था को स्थायी और स्थानीय सहभागिता पर आधारित बनाने के उद्देश्य से योजना के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दी गई है। इस पहल के माध्यम से गांव को केवल पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि ग्रामीण समुदाय को जल स्रोतों के संरक्षण और उपलब्ध पानी के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच श्री इंजोर सिंह धुर्वे, पंचायत सचिव श्री रतन सिंह, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों तथा ग्रामवासियों को जल की उपयोगिता, जल प्रबंधन, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई है।

# नरेंद्र मोदी ने रचा 25 वर्षों के स्वर्णिम सुशासन का कीर्तिमान

### सुरेश पचौरी

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 7 अक्टूबर 2026 को अपनी अनवरत राष्ट्रसेवा के कीर्तिमान गढ़ने जा रहे हैं। यह वह ऐतिहासिक दिन होगा, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री और तत्पश्चात देश के प्रधानमंत्री के रूप में 7 अक्टूबर 2026 को अपनी राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करेंगे। यह भारत के राजनैतिक परिदृश्य में नया रिकार्ड होगा। उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में तथा 26 मई 2014 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए गुजरात में अभूतपूर्व विकास हुआ। बुनियादी ढांचे, जल, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, उद्योग और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में सराहनीय कार्य हुए, जिसने एक आत्मविश्वासी, प्रगतिशील और आकांक्षी गुजरात की नींव रखी। 2003 में शुरू हुए वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में निवेशकों, बड़े उद्यमियों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाया गया, जिससे संयुक्त उपक्रमों, व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिला। गुजरात में प्रारंभ ज्योतिग्राम योजना ने 1,290 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से 18,000 से अधिक गांवों में 24 घंटे तीन-फेज बिजली पहुंचाई। गुजरात 2003-04 में मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू करने तथा 2006 में अपनी स्वास्थ्य सेवाओं की अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बना। 2001 और 2014 के बीच गुजरात के विकास ने विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी परियोजनाओं के साथ जन-केंद्रित पहलों को जोड़ा और दीर्घकालिक विकास की नींव रखी। मोदी जी के कुशल नेतृत्व में गुजरात में विकास की ऐसी ठोस बुनियाद रखी गई, जिसे कालांतर में गुजरात माडल के रूप में जाना गया। श्री नरेन्द्र मोदी ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने तमाम ऐसे फैसले लिए जो राष्ट्र के लिए हितकारी थे। चाहे धारा 370 का समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। चंद्रयान-3 व ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्ज्वला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदीयों की आत्मनिर्भरता तक, हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो और भारत समर्थ बने। रक्षा के क्षेत्र में तो भारत पूर्णतः आत्मनिर्भर बन चुका है। श्री नरेन्द्र मोदी की जनसेवा के ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के उपभोग के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास पर खर उतरने, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने और भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने के हैं। श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल पर नजर डालें तो स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सुत्रपात हुआ। आज भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई।

### भारतीय दार्शनिक समुदाय

## 14-दर्शनों में आस्तिक और नास्तिक का भेद

**गतांक से आगे...**

इसी तत्त्व को सामने रखते हुए बौद्ध और जैन दार्शनिक लेखकों ने केवल चार्वाक को जो पुनर्जन्म या कर्म फल नहीं मानता और इस प्रकार धर्म और सत्य के आदर्श में विश्वास नहीं रखता, केवल नास्तिक माना है। और बौद्ध और जैन धर्म को जो पुनर्जन्म और कर्म फल मानते हैं, आस्तिक दर्शन माना है।

इस प्रकार केवल एक चार्वाक ही नास्तिक दर्शन ठहरता है और बाकी सभी भारतीय दर्शन-सम्प्रदाय आस्तिक माने जायेंगे।

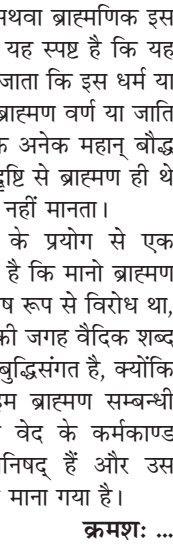
**15- ब्राह्मणिक के स्थान में वैदिक शब्द का प्रयोग**

साधारणतया पाश्चात्य लेखकों की पद्धति में न केवल भारतीय दर्शनों में ही प्रत्युत भारतीय साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में भी बौद्ध और जैनों से भिन्न दर्शन या साहित्य के लिये जिसका वर्तमान रूप

हिन्दुधर्म है, ब्राह्मण सम्बन्धी अथवा ब्राह्मणिक इस शब्द का प्रयोग होता है, परन्तु यह स्पष्ट है कि यह शब्द जो कि इस दृष्टि से किया जाता कि इस धर्म या संस्कृति या दर्शन के प्रवर्तक ब्राह्मण वर्ण या जाति के लोग हैं, दोषयुक्त है, क्योंकि अनेक महान् बौद्ध आचार्य भी वर्ण या जाति की दृष्टि से ब्राह्मण ही थे यद्यपि बौद्धधर्म जाति और वर्ण नहीं मानता।

इस प्रकार ब्राह्मण शब्द के प्रयोग से एक भ्रमपूर्ण भावना यह उत्पन्न होती है कि मानो ब्राह्मण जाति का बौद्धधर्म से कोई विशेष रूप से विरोध था, वस्तुतः ब्राह्मण सम्बन्धी शब्द की जगह वैदिक शब्द का प्रयोग अधिक उपयुक्त और बुद्धिसंगत है, क्योंकि जिस साहित्य या दर्शन को हम ब्राह्मण सम्बन्धी कहते हैं उसका स्रोत वेद या वेद के कर्मकाण्ड सम्बन्धी ब्राह्मणग्रन्थ, या उपनिषद् और उस साहित्य में वेद को मुख्य प्रमाण माना गया है।

**क्रमशः ...**



# चीन-पाकिस्तान रक्षा गठजोड़ और भारत की रणनीतिक विवशता

### अशोक भाटिया

दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में शक्ति संतुलन तेजी से करवट बदल रहा है। पिछले कुछ समय में चीन और पाकिस्तान के बीच रक्षा और सामरिक सहयोग जिस आक्रामकता के साथ आगे बढ़ा है, उसने नई दिल्ली के सुरक्षा गलियारों में खतरे की घंटी बजा दी है। हाल ही में चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक स्टेल्थ लड़ाकू विमान, विशेष रूप से जे-35 और जे-31 की आपूर्ति करने की खबरें और पाकिस्तानी पायलटों की चीनी वायुसेना के साथ बढ़ती संयुक्त ट्रेनिंग महज एक द्विपक्षीय सैन्य सौदा नहीं है, यह भारत की संप्रभुता, हवाई श्रेष्ठता और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए एक सीधी और गंभीर चुनौती है। भारतीय वायुसेना के नेतृत्व ने भी इस उभरते खतरे को खुले तौर पर स्वीकार किया है। आज भारत के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि वह एक तरफ घटती हुई लड़ाकू विमानों की स्क्राइन क्षमता और दूसरी तरफ टू-फ्रंट वॉर (दो मोर्चों पर युद्ध) की वास्तविक होती आशंका के बीच अपनी सैन्य संप्रभुता को कैसे अधुण बनाए रखे। यह संपादकीय इस रक्षा सौदे के गहरे रणनीतिक निहितार्थों, भारत की वर्तमान वायुसैनिक कमजोरियों और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने के व्यावहारिक रास्तों का एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत ने परंपरिक सैन्य मोर्चे पर हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ एक गुणात्मक और संख्यात्मक बढ़त बनाए रखी है। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में भारतीय वायुसेना की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। यहाँ तक कि हाल के वर्षों में फ्रांस से मिले 4.5 पीढ़ी के राफेल विमानों ने पाकिस्तान की वायुसेना के अमेरिकी एफ-16 विमानों पर भारत को एक स्पष्ट मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बढ़त दे दी थी। लेकिन चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट सौंपने की यह नई डील इस स्थापित संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ने की क्षमता रखती है।

पांचवीं पीढ़ी के विमानों की सबसे बड़ी



खासितर उनका स्टेल्थ होना होता है, यानी वे दुश्मन के रडार की नजरों से बचकर बेहद करीब तक हमला करने में सक्षम होते हैं। यदि पाकिस्तान इन विमानों की अपनी वायुसेना में सफलतापूर्वक शामिल और संचालित कर लेता है, तो भारत की मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों और राफेल जैसे 4.5 पीढ़ी के विमानों की प्रभावशीलता पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। चीन इस सौदे के जरिए न केवल भारत को अपने पड़ोस में उलझाए रखना चाहता है, बल्कि वह भारतीय उपमहाद्वीप में अमेरिकी प्रभाव और भारत की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी सीमित करना चाहता है। यह सौदा साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान अब चीनी सेना के एक प्रॉक्सी के रूप में काम कर रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की सैन्य ऊर्जा को निरंतर सोखना है।

इस बाहरी खतरे के बीच, भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी आंतरिक रक्षा तैयारियों की धीमी रफ्तार है। भारतीय वायुसेना को किसी भी दोहरे मोर्चे (चीन और पाकिस्तान) की चुनौती से निपटने के लिए कम से कम 42 लड़ाकू विमानों की स्क्राइन की आवश्यकता स्वीकृत है। इसके विपरीत, वर्तमान में यह संख्या खतरनाक रूप से घटकर महज 29 स्क्राइन पर आ गई है। मिग-21 जैसे पुराने सोवियत कालीन विमानों के चरणबद्ध तरीके से बाहर होने और नए विमानों के शामिल होने की बेहद धीमी दर ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है।

इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चाल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित

### नीरज कुमार दुबे

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पर्दे के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रिโม मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी-सी है कि भतीजे ने माफ़ी मांगी, बुआ ने माफ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की ?

असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी ? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी ?

याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी दरवाजा बंद नहीं किया। निषाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस भतीजे को मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहीं से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था।

क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खतरा यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर लेते, युवा दलितों के बीच अपनी पहचान बना लेते और धीरे-धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजुद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ मायावती के भतीजे नहीं रहते। वह अपने आप में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यही वह चीज है जो शायद मायावती को सबसे ज्यादा खटकती।

देखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। कभी जिस



पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मैदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या सपा-कांग्रेस गठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी।

ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बनाने लगता, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कोर वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कोर वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुमकिन है कि मायावती ने इसी खतरे को भांप लिया हो। उन्हें लगा हो कि अगर आकाश दूसरे दल में चले गए और वहां युवा दलित राजनीति का नया चेहरा बन गए तो बसपा के सामने सिर्फ एक नेता के अगली पीढ़ी का विकल्प ही पार्टी के बाहर तैयार हो जाएगा। बसपा अगर अभी शून्य पर खड़ी दिखाई दे रही है तो आकाश का किसी दूसरे राजनीतिक मंच पर जाकर मजबूत होना इस शून्य को डबल शून्य में बदल सकता है। इसलिए भतीजे को वापस बुलाना जरूरी समझा गया।

लेकिन यहां कहानी में एक और पेंच है। आकाश को सिर्फ वापस नहीं बुलाया गया, उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया। सुनने में यह बड़ा सम्मान है, लेकिन राजनीति में हर सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी आती है। आकाश को अब जो जिम्मेदारी मिली है, वह आसान नहीं है। खासकर तब, जब सामने 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा

चुनाव खड़ा है। अब अगर बसपा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है तो मायावती की रणनीति सफल कही जाएगी और आकाश आनंद को इसका फायदा भी मिलेगा। लेकिन अगर बसपा का प्रदर्शन फिर कमजोर रहा तो सवाल सिर्फ मायावती से नहीं होगा। सवाल आकाश से भी होगा। आखिर राष्ट्रीय संयोजक किसलिए बनाए गए थे ? संगठन को मजबूत करने के लिए या सिर्फ पद की शोभा बढ़ाने के लिए ? युवा वोटरों को बसपा से जोड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी ? चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने का काम कौन कर रहा था ?

यानी मायावती ने आकाश को वापस लाकर उन्हें एक ऐसी जिम्मेदारी दे दी है जिसमें सफलता का श्रेय तो मिलेगा ही, लेकिन असफलता का ठीकरा भी सिर पर फूट सकता है। यही वह जगह है जहां सवाल उठता है कि कहीं यह आकाश आनंद की राजनीतिक ब्रांड वैल्यू को मजबूत करने की बजाय धीरे-धीरे खत्म करने की रणनीति तो नहीं ? क्योंकि माने लीजिए 2027 में बसपा फिर चुनावी तौर पर कोई खास कमाल नहीं कर पाती। तब आकाश आनंद के पास क्या बचेगा ? वह किसी दूसरी पार्टी में जाकर यह भी नहीं कह सकते कि उन्हें बसपा में मौका नहीं मिला था। मौका मिला, राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया, संगठन की जिम्मेदारी दी गई और फिर भी पार्टी चुनाव नहीं जीत सकी। ऐसे में दूसरे दलों के लिए आकाश को अपने साथ लेना उतना आकर्षक नहीं रह जाएगा।

यानी जिस समय वह बसपा से बाहर थे, उस समय दूसरे दल उन्हें अपने यहां लाने की संभावनाएं तलाश रहे थे। लेकिन अब वह बसपा के राष्ट्रीय संयोजक हैं। अगर बसपा फिर कमजोर प्रदर्शन करती है तो वही दूसरे दल शायद यह सोचें कि जिस नेता को अपनी पार्टी संभालने का मौका मिला और वह उसे नहीं उठा पाया, उसे अपने यहां लाकर क्या हासिल होगा ? देखा जाये तो राजनीति में इसे बहुत बारीक तरीके से समझना होगा। मायावती ने आकाश को बाहर जाने से तो रोक लिया, लेकिन साथ ही उन्हें बसपा की किस्मत से बांध भी दिया। अब आकाश की राजनीतिक कामयाबी और बसपा की राजनीतिक कामयाबी एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकती।

इसके अलावा, यहां एक सवाल मायावती से भी पूछा जाना चाहिए। मायावती की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान ही परिवारवाद के खिलाफ लड़ाई रही है। काशीराम ने परिवार की राजनीति

नाही की। उन्होंने मायावती जैसे कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया। मायावती ने भी लंबे समय तक यही संदेश दिया कि बसपा किसी एक परिवार की पार्टी नहीं, बल्कि बहुजन समाज की पार्टी है। लेकिन अब पिछले कुछ समय से बसपा के भीतर परिवार के सदस्यों की भूमिका लगातार चर्चा में है। आकाश आनंद को पहले आगे किया गया। फिर हटाया गया। ईशान आनंद को जिम्मेदारी मिली। फिर आकाश को वापस लाया गया। दीपिका आनंद के नाम की कभी चर्चा भी सामने आई। कभी कहा गया कि परिवार के किसी सदस्य को राजनीतिक पद नहीं दिया जाएगा और फिर घटनाक्रम कुछ ही समय में दूसरी दिशा में जाता दिखाई दिया।

ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर बसपा में परिवार के बाहर नेतृत्व का विकल्प क्यों नहीं दिखाई देता ? मायावती दूसरी पार्टियों में परिवारवाद पर सवाल उठाती रही हैं। समाजवादी पार्टी पर परिवारवाद का आरोप लगाने में वह कभी पीछे नहीं रहतीं। लेकिन जनता यह भी देखती है कि अपनी पार्टी के भीतर नेतृत्व की अगली कतार में कौन खड़ा है ? यहां मामला सिर्फ आकाश आनंद का नहीं है। सवाल यह है कि क्या बसपा में मायावती के बाद कोई ऐसा गैर-पारिवारिक चेहरा नहीं है, जिसे राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी दी जा सके ? क्या पार्टी में दशकों से काम कर रहे किसी दलित, पिछड़े, गरीब या वंचित कार्यकर्ता में नेतृत्व की संभावना नहीं बची ? अगर है, तो फिर बार-बार परिवार के सदस्यों की तरफ ही क्यों देखा जा रहा है ? देखा जाये तो यूपी की राजनीति में जनता बहुत कुछ भूल सकती है, लेकिन परिवारभास जल्दी नहीं भूलती। अगर दूसरी पार्टियों के परिवारवाद को मायावती राजनीतिक अपराध मानती हैं तो फिर बसपा में परिवार के सदस्यों की बढ़ती भूमिका पर भी सवाल उठेंगे। सवाल सिर्फ विरोधियों की तरफ से नहीं उठेंगे, बसपा के भीतर भी उठेंगे।

उधर, आकाश आनंद के लिए भी अब मामला आसान नहीं है। उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की कुर्सी जरूर मिल गई है, लेकिन यह कुर्सी फूलों की नहीं, कांटों की है। अब उन्हें यह साबित करना होगा कि वह सिर्फ मायावती के भतीजे नहीं हैं। उन्हें यह दिखाना होगा कि वह संगठन खड़ा कर सकते हैं, युवा दलित मतदाताओं को जोड़ सकते हैं और बसपा को उस राजनीतिक जमीन पर वापस ला सकते हैं, जहां से पार्टी लगातार खिसकती चली गई है।

## गुरु गोबिंद सिंह ने मुगलों को कई बार चटाई थी धूल

### अनन्या मिश्रा

सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी का 07 अक्तूबर को निधन हो गया था। गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी और महज 9 साल की उम्र में उन्होंने गुरु की गद्दी को संभाला था। वह एक कुशल योद्धा और लीडर थे। गुरु गोबिंद सिंह ने मुगल सेना को चिड़िया और सिखों को बाज बताया था। उन्होंने मुगलों से करीब 14 बार युद्ध लड़ा था। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब को गुरु घोषित किया था। वहीं कम उम्र में दर्जनों रचनाएं कर डाली थीं। वह त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति थे।

पटना में 22 दिसंबर 1666 को गुरु गोबिंद सिंह का जन्म हुआ था। उनके पिता सिखों के नवें गुरु तेग बहादुर जी थे। तेग बहादुर को औरंगजेब के आदेश पर मार

दिया गया था। जिस पर गुरु गोबिंद सिंह ने 9 साल की उम्र में गुरु गद्दी संभाली थी। गुरु गोबिंद सिंह के पिता की हत्या मुस्लिम धर्म न अपनाने के कारण हुई थी, तो उनके दिमाग में कहीं न कहीं वह गुस्सा और आक्रोश था।

गुरु गोबिंद सिंह का पूरा जीवन प्रेरणा से भरा हुआ था। वह विद्वानों की काफी इज्जत करते थे और उनके आसपास लेखक और कवि होते थे। उन्होंने खालसा महिमा, बचित्र नाटक, चंडी द वार, जाप साहिब, जफरनामा जैसे अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे। गुरु गोबिंद सिंह की काव्य रचना दशम ग्रंथ के नाम से जानी जाती है। सिखों के लिए यह आज भी गुरु गोबिंद सिंह का हुक्म माना जाता है।



गुरु गोबिंद सिंह

गुरु गोबिंद सिंह का पूरा जीवन प्रेरणा से भरा हुआ था। वह विद्वानों की काफी इज्जत करते थे और उनके आसपास लेखक और कवि होते थे। उन्होंने खालसा महिमा, बचित्र नाटक, चंडी द वार, जाप साहिब, जफरनामा जैसे अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे। गुरु गोबिंद सिंह की काव्य रचना दशम ग्रंथ के नाम से जानी जाती है। सिखों के लिए यह आज भी गुरु गोबिंद सिंह का हुक्म माना जाता है।

गुरु गोबिंद सिंह की वीरता के अनेक किस्से हैं। खालसा पंथ की स्थापना से औरंगजेब काफी ज्यादा नाराज था और उसने गुरु गोबिंद सिंह की गिरफ्तारी का आदेश दे दिया। गुरु गोबिंद सिंह ने मुगलों को कई बार धूल चटाई। हालांकि कहीं वह गुस्सा और आक्रोश का जल्था कम था, लेकिन उनके पास हौसला था और गुरु गोबिंद सिंह का नेतृत्व था।

सन् 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी

पड़ी थी।

जब यह खबर औरंगजेब को मिली तो वह गुस्से में आग-बबूला हो गया। औरंगजेब के आदेश पर उसका निशानेबाज सेनापति पाईदा खान लड़ने के लिए चल दिया। दोनों सेनाएं आमने-सामने थीं। इस दौरान गुरु गोबिंद सिंह ने सीधे मुगल सेनापति की गर्दन उड़ा दी।

औरंगजेब का अत्याचार लगातार बढ़ता ही जा रहा था। गुरु गोविंद सिंह ने अपने बेटों को भी शस्त्र शिक्षा दिलवाई थी। वहीं समय आने पर उन्होंने अपने बेटों को भी मुगलों से युद्ध के लिए भेज दिया था। गुरु गोविंद सिंह के दोनों पुत्र मुगलों से लड़ते हुए शहीद हो गए और दो को मुगलों ने दीवारों में जंदा चुनवा दिया था। औरंगजेब के निधन के बाद बहादुर शाह जफर को अगला बादशाह बनाने में गुरु गोबिंद सिंह जी ने मदद की थी।

## आज का इतिहास

1586 मुग़ल सेना ने कश्मीर में प्रवेश किया।

1737 बंगाल में 20 हजार छोटे जहाज के समुद्र में 40 फुट नीचे डूबने से तीन लाख लोगों की मौत।

1840 विलेम द्वितीय नीदरलैंड का राजा बना।

1868 अमेरिका में कोर्नोल विश्वविद्यालय खुला। इसमें 412 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था जो उस समय की सबसे बड़ी संख्या थी।

1919 गांधीजी की ‘नवजीवन’ पत्रिका प्रकाशित।

1940 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक व्यापक सैन्य कार्रवाई में रोमानिया जर्मनी के नियंत्रण में चला गया।

1942 अमेरिका और ब्रिटिश सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की घोषणा की।

1950 मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ़ चैरिटी की स्थापना की थी।

1952 चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी बनी।

1959 सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान लूनर-3 द्वारा चंद्रमा के छिपे हिस्से की तस्वीर ली गई।

1977 सोवियत संघ ने चौथे संविधान को अंगीकार किया।

1992 भारत में त्वरित कार्यवाह बल का गठन किया गया था। इसका गठन विशेष रूप से सांप्रदायिक दंगों से सहातुभूति पूर्वक और विश्वज्ञातपूर्वक निबटने के लिए हुआ था। प्रकृतिक आपदाओं से निबटने में भी यह बल नागरिक प्रशासन की मदद करता है।

1992 रैपिड एक्शन फोर्स की स्थापना की गई।

1997 सूर्य बहादुर थापा द्वारा नेपाल के नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण, भारत और रूस सुरक्षा सहयोग 2010 तक बढ़ाने के लिए समस्त।

2000 डब्ल्यूडब्ल्यूएफ – इंडिया ने पहला राजीव गांधी वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार हासिल किया।

2000 जापान में मानव क्लोनिंग दंडनीय अपराध घोषित।

2001 आतंकवाद के ख़लि़फ़ अमेरिका का ऑपरेशन एड्योरिंग फ़्रीडम शुरू।

2003 पाकिस्तान के राष्ट्रपति ज़नरल परवेज़ मुशर्रफ़ ने कट्टरपंथियों के ख़लि़फ़ अभियान जारी रखने की घोषणा की।

2004 जर्मनी ने सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन किया।

2008 फ़रवरीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास चार दिन की राजकीया यात्रा पर भारत पहुंचे।

2011 लाइबेरिया की राष्ट्रपति एलेन जानसन सरलीफ और शांति व महिला अधिकार कार्यकर्ता लीमेह जीबोई तथा यमन की तहलकुल कथमाक को शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

# स्विट्जरलैंड के साथ रिश्तों को नई ऊंचाई देकर मोदी ने यूरोप में चली बड़ी कूटनीतिक चाल

### नीरज कुमार दुबे

दुनिया के बदलते सामरिक और आर्थिक समीकरणों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति लगातार भारत की वैश्विक पहुंच को नए आयाम दे रही है। इसी व्यापक कूटनीतिक रणनीति की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्विट्जरलैंड के साथ संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाने की दिशा में आज एक अहम कदम सामने आया। स्विस् राष्ट्रपति गाइ पारमेलिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने प्रवास एवं गतिशीलता, युवा पेशेवरों, परिवहन प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार और स्टार्टअप सहयोग से जुड़े पांच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। व्यापार और निवेश से आगे बढ़कर रक्षा उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान, उन्नत प्रौद्योगिकी और वैश्विक कूटनीति तक साझेदारी का विस्तार यह संकेत देता है कि भारतङ्कुरिस्वट्जरलैंड संबंध अब एक नए रणनीतिक चरण में प्रवेश कर रहे हैं और मोदी की सक्रिय कूटनीति ने यूरोप के इस महत्वपूर्ण देश के साथ भारत की साझेदारी को जिस तेजी से व्यापक बनाया है, उसने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों का ध्यान खींचा है।

प्रधानमंत्री मोदी और गाइ पारमेलिन की मुलाकात का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भारत और स्विट्जरलैंड अब अपने रिश्ते को बहु-आयामी रणनीतिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हैदराबाद हाउस में मोदी और पारमेलिन ने व्यापार एवं निवेश, एआई, नवाचार, रक्षा उत्पादन और सैन्य आदान-प्रदान, परमाणु ऊर्जा,

विज्ञान-प्रौद्योगिकी तथा लोगों के बीच संपर्क सहित पूरे संबंधों की समीक्षा की। देखा जाये तो आर्थिक मोर्चे पर भारतङ्कुरिफटीएव व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता इस रिश्ते की रीढ़ बनकर उभरा है। यह समझौता अक्टूबर 2025 में लागू हुआ था और स्विट्जरलैंड इसे भारतीय बाजार में स्विस् कंपनियों की पहुंच और निवेश के लिए अधिक निश्चितता देने वाला करार मानता है। स्विट्जरलैंड के अनुसार भारत एशिया में उसका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और देश में 330 से अधिक स्विस् कंपनियां सक्रिय हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते के जरिए अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। भारतीय कृषि उत्पादों, औषधियों, वस्त्रों और इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए स्विस् बाजार में अवसर बढ़ाने के साथ भारत जैव-प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में स्विस् निवेश आकर्षित करना चाहता है।

लेकिन इस साझेदारी का असली रणनीतिक विस्तार रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में दिखाई देता है। दोनों पक्षों ने सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन में नए अवसर तलाशने तथा परमाणु ऊर्जा सहयोग की और गहरा करने पर सहमति जताई है। यह संकेत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि स्विट्जरलैंड की उच्च तकनीकी औद्योगिक क्षमता और भारत की बढ़ती रक्षा विनिर्माण महत्वाकांक्षा



मिलकर नए तकनीकी और औद्योगिक सहयोग के रास्ते खोल सकती हैं।

साथ ही दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे में भी सहयोग अब जमीन पर दिखाई दे रहा है। वाराणसी रोपवे, नोएडा के जेवर हवाई अड्डे और पर्वतीय क्षेत्रों में रेलवे तथा सुरंग परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने परिवहन, गतिशीलता और आधारभूत ढांचे पर नए समझौते की आगे की साझेदारी का आधार बताया। समझौते में विद्युत वाहन, रोपवे, परिपत्र अर्थव्यवस्था, सुरंग और टिकाऊ परिवहन प्रणालियों पर सहयोग शामिल है।

साथ ही विज्ञान और नवाचार इस रिश्ते की दूसरी बड़ी धुरी बन रहे हैं। भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्विस् राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान के बीच

समझौता दीर्घकालिक संयुक्त अनुसंधान का ढांचा तैयार करेगा। स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में नए संयुक्त शोध की शुरुआत भी प्रस्तावित है। ज्यूरिख विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान के साथ समझौते के जरिए शुरुआती चरण के भारतीय स्टार्टअप को प्रशिक्षण, तकनीकी हस्तांतरण, कार्यशालाओं और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग का अवसर मिलेगा।

मानव संसाधन के मोर्चे पर भी बड़ा बदलाव हुआ है। प्रवास एवं गतिशीलता के तहत पांच वर्ष तक वैध बहु-प्रवेश वीजा और प्रत्येक यात्रा में छह महीने तक ठहरने की सुविधा का प्रावधान है। छात्रों के लिए नवोक्तणीय एक-वर्षीय अनुमति भी शामिल है। वहीं युवा पेशेवरों के आदान-प्रदान समझौते के तहत हर वर्ष दोनों देशों से 300-300 युवा पेशेवर भेजे जा सकेंगे, जिसे बढ़ाकर 500 तक किया जा सकता है। इसका उद्देश्य युवाओं को काम के साथ पेशेवर और भाषाई कौशल विकसित करने का अवसर देना है। यह समझौता प्रतिभा, तकनीक और पूंजी, तीनों को एक ही गंतियारे में जोड़ता है। भारत को वैश्विक प्रतिभा और नवाचार नेटवर्क में प्रवेश मिलता है, जबकि स्विट्जरलैंड को भारत के विशाल प्रतिभा और बाजार आधार से जुड़ने का अवसर मिलता है। इसके अलावा, दोनों देशों ने आगामी भारतङ्कुरिस्विस्

# समग्र विकास से सिद्धी

### अखिलेश जैन

अपरिवर्तनशील वास्तविकता है कि सूर्य पूर्व में ही उगता है उसी तरह शाश्वत सत्य है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत निराशा, भाई भतीजावाद, जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, कालेधन, जमाखोरी, आयात पर निर्भरता, ण्ट्रीकरण, संस्कृति का अपमान, गुलामी के प्रतीकों जैसी तमाम बेड़ियों को तोड़कर सुन्दर, सुखद, भविष्य के निर्माण हेतु रात-दिन एक करके, बिना रुके-बिना थके, बिना दौंये-बिना बाँये देखे कठिन से कठिन अग्नि परीक्षा जैसी चुनौतियों को पार करके भविष्य निर्माण में जुटा हुआ है।

आज भारत का लक्ष्य, ध्येय, सपना, नारा, वचन तथा एक ही दशरथ नन्दन प्रभु श्री रामचन्द्र जी के श्री चरणों में प्रार्थना है- विकसित भारत@2047। विकसित भारत@2047 लक्ष्य की गहराई को जानने वाले ही, लक्ष्य की गंभीरता को जान सकते हैं। नारा आसान है, लक्ष्य गंभीर है, विकसित भारत@2047 के लक्ष्य सिद्धी के लिए उससे भी बड़ा तप करना पड़ेगा जितना तप महाराज भगीरथ ने गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए किया था। महाराज भगीरथ के कठोर तप से प्रसन्न होकर ब्रम्हा जी ने गंगा को पृथ्वी पर उतारने का वरदान दिया था, महाराज भगीरथ का तप तो केवल एक सिद्धी गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए था पर मोदी जी के नेतृत्व में भारत का तप तो विकसित भारत@2047 के लिए है, इस सिद्धि को पाने के पहले तमाम सिद्धियां पार करना पड़ेंगी, तमाम बाधाओं को पार पाना पड़ेगा जो मुख्य सिद्धि के मार्ग में बाधा हैं, बाधाओं को दूर करने के साथ-साथ बाधाओं को दूर करने की गति को भी गति देना पड़ेगी।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ चुका है,12वीं अर्थव्यवस्था से विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के कदम बढ़ा रहा है। महिलाएँ नीति निर्णय में भागीदार बन रही हैं, अर्थव्यवस्था की मजबूती व स्थायित्व में महिलाओं का योगदान लाने में भारत सफल हो रहा है, 2014 से भ्रष्टाचार की खबरों को मसाला न मिलने के कारण जनता में उसाह का संचार करने में सरकार को बहुत बड़ी सफलता मिली है, इसके सकारात्मक परिणाम बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में हैं, देश की सीमाएँ सुरक्षित हैं, परित्दा भी पर नहीं मार पाता क्योंकि सरकार व सेना की कार्यवाहियों का लेखा जोखा नेत्रहीन भी तुरन्त पढ़ लेता है। सरकार का आतंकवाद विरोधी निर्णय देश में स्थिरता, शांति व प्रगति लाने में सहायक हुआ है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों की खोज व विकास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सनातन संस्कृति की रक्षा व संरक्षण, शिक्षण, प्रशिक्षण व रोजगार की संभावनाएं, करों का सरलीकरण, हर व्यक्ति का बैंक में खाता, गरीब को चिकित्सा सुविधा, आवास, पेयजल, स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, शौचालय, दिल्ली से चली राशि बिना किसी कट के सीधे हितप्राप्ति्यों के खाते में बराबर व तुरन्त पहुंचना, 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों ने आर्थिक प्रगति में जो योगदान दिया है उसी कारण विदेशी निवेश भारत के दरवाजे पर लाईन लगा कर खड़ा है, जीडीपी, जीएसटी व आयकर शिखर पर, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर, अगर सफलता की गति बरकरार रहती है तो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था व विकसित भारत @ 2047 की सिद्धी पाने में भारत शीघ्र सफलता पाएगा।

# ममता के खाते में 30 लाख : गया भी, मिला भी, लेकिन क्यों?

### सत्येंद्र प्रताप सिंह

बंगाल की राजनीति में एक बैंक ट्रॉजेक्शन ने नया सवाल खड़ा कर दिया है। ईडी के मुताबिक, पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन की प्रोपराइटरशिप फर्म ऑक्टवे रिकॉर्ड्स के खाते से करीब 30 लाख रुपये तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खाते में बैंकिंग चैनल से ट्रांसफर हुए। सेन ने पृच्छाछ में इस रकम को ‘रॉयल्टी’ बताया।

पैसा गया—बैंक रिकॉर्ड से इसकी पुष्टि हो सकती है। पैसा मिला—यह भी बैंक रिकॉर्ड से स्पष्ट हो सकता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है— आखिर क्यों मिला ? यही सवाल इस पूरे मामले का केंद्र बन गया है। रॉयल्टी किसी गीत, किताब, संगीत रचना या दूसरे बौद्धिक अधिकार के इस्तेमाल के बदले दी जा सकती है। टीएमसी की ओर से भी कहा गया है कि ममता बनर्जी को उनकी किताबों, गीतों और संगीत रचनाओं की रॉयल्टी पहले से मिलती रही है और ऑक्टवे रिकॉर्ड्स उनके गीतों का विपणन करता था। पार्टी के मुताबिक भुगतान बैंकिंग चैनल से हुआ और उस पर टीडीएपी भी काटा गया।

लेकिन यहीं से जांच का असली सवाल शुरू होता है। रॉयल्टी किस गाने की ? किस धुन की ? किस अधिकार के बदले ? किस दर पर ? और 30 लाख ही क्यों ? अगर भुगतान निर्दिष्ट रॉयल्टी था तो उसके पीछे कोई लेखा-आधार, अधिकार, बिक्की या भुगतान की गणना



होनी चाहिए। अब यही दस्तावेजी कड़ी महत्वपूर्ण हो जाती है। बैंक स्टेटमेंट बताएगा ‘कितना’, ‘क्यों’ नहीं यह फर्क समझना जरूरी है। बैंक रिकॉर्ड बता सकता है कि ऑक्टवे रिकॉर्ड्स से ममता बनर्जी के खाते में करीब 30 लाख रुपये गए।

लेकिन बैंक स्टेटमेंट अपने आप यह साबित नहीं करता कि वह रकम रॉयल्टी ही थी। उसके लिए अलग साक्ष्य चाहिए। कौन-सा अनुबंध था ? किस रचना के अधिकार दिए गए थे ? कितनी रकमी हुई ? रॉयल्टी की दर क्या थी ? कुल बिक्की कितनी हुई ? और उसी गणना से 30 लाख रुपये कैसे निकले ?

यही वे सवाल हैं जिनके जवाब जांच को तलाशने होंगे। अगर सीडी बिर्की, तो बिक्की कितनी हुई ? मामले में एक और महत्वपूर्ण कड़ी है—गानों की सीडी की रकम में दिए गए, तो यह जानना जरूरी होगा कि संबंधित गानों या संगीत सामग्री की कुल बिक्की कितनी थी ? क्या ऑनलाइन बिक्की हुई ? क्या दुकानों के जरिए बिक्की हुई ? अगर कार्यकर्ताओं या समर्थकों को नकद सीडी बेची गई तो कुल कितनी सीडी

### कुमार कृष्णन

लोकतंत्र में सबसे मुश्किल काम शायद सत्ता से असहमति जताना नहीं, बल्कि उस असहमति को सुनने की जगह बचाए रखना है। सत्ता बदलती रहती है, सरकारें आती-जाती रहती हैं, संस्थाओं के पदाधिकारी बदलते रहते हैं, लेकिन लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात से होती है कि सवाल पूछने वाले नागरिक के लिए कितनी जगह बची है। सवाल पूछने वाला विद्यार्थी हो, पत्रकार हो, किसान हो, प्रदर्शनकारी हो या मतदाता—लोकतंत्र में उसकी आवाज को सुनने की गुंजाइश जितनी बड़ी होगी, लोकतंत्र उतना ही जीवंत होगा।

इसीलिए इन दिनों सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की बेबाक टिप्पनियां चर्चा में हैं। उनकी बातों को केवल किसी एक तात्कालिक विवाद के संदर्भ में पढ़ना शायद उनके व्यापक आशय को छोटा करना होगा। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने अलग-अलग मंचों से असहमति, शांतिपूर्ण प्रदर्शन, सवाल पूछने की स्वतंत्रता, नागरिक स्वतंत्रता और अब मताधिकार जैसे सवालों पर जो कहा है, उसमें एक साझा सूत्र दिखाई देता है—संविधान नागरिक को केवल शासन का विषय नहीं मानता, उसे लोकतंत्र का सक्रिय भागीदार मानता है।

हाल की उनकी टिप्पणी सबसे अधिक इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने मतदाता सूची और मताधिकार के सवाल को नागरिकता से गिराया से जोड़ दिया। हैदराबाद में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रक्रिया लाओं नागरिकों को मतदान के अधिकार से वंचित करती है और उन्हें अपने ही देश में बिना मताधिकार वाले नागरिकों की स्थिति में पहुंचाती है, तो ऐसी प्रक्रिया मनमानी होगी और संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 326 की कसौटी पर सवाल खड़े करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता सूची में शामिल होने के अधिकार को नागरिक की पहचान से अलग नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी

बिर्की और उनसे कितनी रकम आई ? क्या उसकी रसीदें हैं ? क्या बिक्की रजिस्टर है ? क्या कंपनी की किताबों में वह रकम दर्ज है ?

और सबसे महत्वपूर्ण— जिस बिक्की के आधार पर रॉयल्टी बनी, उसका हिसाब कहाँ है ? यहाँ 30 लाख रुपये की गणना का सवाल और गंभीर हो जाता है। 3.8 करोड़ की नकद जमा ने बढाई जांच की गंभीरता। बताएगा ‘कितना’, ‘क्यों’ नहीं यह फर्क समझना जरूरी है। बैंक रिकॉर्ड बता सकता है कि ऑक्टवे रिकॉर्ड्स से ममता बनर्जी के खाते में करीब 30 लाख रुपये गए। एजेंसी इसी व्यापक मनी ट्रेल की जांच कर रही है।

ईडी ने यह भी कहा है कि सेन के कार्यकाल में पर्यटन और संस्कृति विभाग से जुड़े 85 करोड़ रुपये से अधिक के कई टेंडर उनके करीबी बताए गए लोगों की कंपनियों को मिले। एजेंसी इन लेन-देन से अधिक नकद जमा हुए। एजेंसी इसी व्यापक मनी ट्रेल की जांच कर रही है। ईडी ने यह भी कहा है कि सेन के कार्यकाल में पर्यटन और संस्कृति विभाग से जुड़े 85 करोड़ रुपये से अधिक के कई टेंडर उनके करीबी बताए गए लोगों की कंपनियों को मिले। एजेंसी इन लेन-देन से अधिक नकद जमा हुए। एजेंसी इसी व्यापक मनी ट्रेल की जांच कर रही है। ईडी ने यह भी कहा है कि सेन के कार्यकाल में पर्यटन और संस्कृति विभाग से जुड़े 85 करोड़ रुपये से अधिक के कई टेंडर उनके करीबी बताए गए लोगों की कंपनियों को मिले। एजेंसी इन लेन-देन से अधिक नकद जमा हुए। एजेंसी इसी व्यापक मनी ट्रेल की जांच कर रही है।

ईंद्रनील सेन ने ईडी को भुगतान का कारण ‘रॉयल्टी’ बताया है। लेकिन इस

दावे की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि उसके समर्थन में क्या दस्तावेज और लेखा रिकार्ड उपलब्ध हैं। ईडी की सार्वजनिक जानकारी में अभी भुगतान को लेकर कोई आपराधिकता आरोपित नहीं की गई है। इसलिए सवाल ममता बनर्जी के बारे में निष्कर्ष निकालने का नहीं, बल्कि लेन-देन की प्रकृति तय करने का है।

क्या यह नियमित रॉयल्टी थी ? अगर थी, तो उसका आधार क्या था ? और अगर रॉयल्टी थी तो— 30 लाख रुपये की गणना किस फॉर्मूले से हुई ? क्या जांच भुगतान पाने वाले तक पहुंचेगी ? यह अभी कहना जल्दबाजी होगी कि ईडी इस लेन-देन के आधार पर ममता बनर्जी के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ईडी बयान में उन्हें आरोपी नहीं बताया गया है और इस भुगतान में आपराधिकता भी आरोपित नहीं की गई है।

लेकिन जांच का स्वाभाविक अगला सवाल जरूर है— पैसा कहाँ से आया ? क्यों दिया गया ? किस आधार पर दिया गया ? और क्या उस आधार का स्वतंत्र दस्तावेजी प्रमाण है ? यही सवाल आगे की जांच की दिशा तय कर सकते हैं। पैसा गया, पैसा मिला लेकिन क्यों ? इस पूरे मामले को सबसे दिलचस्प कड़ी शायद यही है। 30 लाख रुपये का ट्रांसफर—पहला तथ्य। उसे ‘रॉयल्टी’ बताया—दूसरा तथ्य। लेकिन— रॉयल्टी क्यों ? किसकी ? किस अधिकार के बदले ? और 30 लाख ही क्यों ?

# क्या ईरान पर अब जमीनी हमले की तैयारी?

### विकास मिश्रा

अमेरिका-ईरान के बीच की जंग में बड़ी खबरें एक साथ आ रही हैं। पहली खबर तो यह है कि अमेरिका ने करीब दो हज़ार से ज्यादा मरीन कमांडो को लेकर अपना एक जंगी जहाज रवाना किया है। और दूसरी खबर है कि अमेरिका कई जगहों से अपने विमान हटा रहा है, जहां उसे ईरानी हमलों का संदेह है। इसके अलावा और अधिक अमेरिकी सैनिक तथा इजराइली सैनिक क्षेत्र में तैनात किए जा रहे हैं।

तो क्या यह माना जाए कि ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी की जा रही है ? सबसे पहले मरीन कमांडो की तैनाती पर नज़र डालते हैं। इस नई तैनाती से पहले भी अमेरिका ने मार्च 2026 में करीब साढ़े तीन हज़ार मरीन कमांडो की तैनाती की थी। सामान्य रूप से यह कहा जा सकता है कि मरीन कमांडोज का उपयोग महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों को सुरक्षित रखने, दुश्मन के जहाजों या ड्रोन्स के हमलों का जवाब देने तथा जरूरत पड़ने पर रैपिड रिसांस या जल और थल दोनों तरफ से कार्रवाई करने में हो सकता है।

मगर अमेरिका जिस हिसाब से अपने सैनिकों और ख़ास कर मरीन कमांडोज की संख्या बढ़ा रहा है और जिस तरह के साजोसामान वहां एकत्रित कर रहा है या फिर जिस तरह से इजराइल तैयारियां कर रहा है, उससे यह शंका होना स्वाभाविक है कि क्या अमेरिका अब ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है ? यदि हां तो इसके नतीजे क्या होने वाले हैं ?

इसे समझने के लिए जरा इस बात पर गौर करिए कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बार-बार क्यों असफल हो जाती है ? यदि आप विश्लेषण करें तो पाता चल जाएगा कि बातचीत के दौरान कार्पा काफ़ी हद तक झुका भी है मगर ट्रम्प हर बार नई मांग रख देते हैं। दरअसल उन्हें यह अंदाज़ा है कि ईरान की जो हालत है, उसमें झुकना उसकी मजबूरी हो सकती है।

ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड भले ही चिल्लाता रहे लेकिन ईरान का एक बड़ा तक्का शांति चाहता है। इस तबक़े की भी अपनी राजनीतिक आवाज़ें हैं। इसके अलावा ऐसे बहुत से लोग हैं जो ख़ामेनेई परिवार के शिक्के से देश को बाहर निकालना चाहते हैं। ट्रम्प को लगता है कि यदि ख़ामेनेई विरोधी ताकतों को कोई मौक़ा मिल जाए



तो ईरान में सत्ता परिवर्तन की किरण दिखाई दे सकती है।

अब यह बात बहुत स्पष्ट हो गई है कि ट्रम्प का लक्ष्य केवल यह है कि वहां अमेरिका समर्थित सरकार हो जो उसकी मनमर्जी से संचालित हो। ट्रम्प तो ईरानियों का आह्वान भी कर चुके हैं कि आप विद्रोह करो, हम पहुंचने वाले हैं। यह ट्रम्प को भी पता है कि आप किसी मुल्क पर लाख बम बरसा लो लेकिन जब तक जमीन के रास्ते नहीं पहुंचेंगे तब तक उस पर कब्ज़ा नहीं हो सकता।

तो अब क्या ट्रम्प की सेना ईरान पहुंचने की कोशिश करेगी और क्या इसमें कामयाब हो सकती है ? यह तो सभी को पता है कि ईरान इतनी आसानी से हथियार डालने वाला नहीं है। हवाई ताकत के मामले में वह अमेरिका जैसा बलशाली नहीं है लेकिन उसने अमेरिका के 42 विमानों और ड्रोन को तबाह तो कर ही दिया। उसने खाड़ी के देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर ड्रोंस की खूब बरसात की है।

ईरान के पास बड़ी संख्या में ऐसी मिसाइल हैं जो एक हजार किलोमीटर तक मार कर सकती हैं। यही कारण है कि अमेरिकी सेना एक हज़ार किलोमीटर दूर से ऑपरेट कर रही है। पास जाने की उनकी हिम्मत नहीं हो रही है। अब तो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अपनी मिसाइल की रेंज दो हज़ार किलोमीटर करने की धमकी भी दी है।

यही कारण है कि अमेरिका अपने लड़ाकू विमानों को कई जगह से हटा भी रहा है। अमेरिका के लिए समस्या यह है कि खाड़ी के कई देश ईरान से महज दो सौ से तीन सौ किलोमीटर दूरी पर हैं और जो भी अमेरिका के साथ होगा, उस पर ईरान का कहर टूट सकता है। ईरान पर काबू पाना अमेरिका की मजबूरी है।

से मिलती है।

जिसकी लंबाई लगभग 5,894 किलोमीटर है। समुद्री सीमा की कुल लंबाई करीब 2,440 किलोमीटर है जो कुवैत, सऊदी अरब, बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान से मिलती है। उत्तर में कैस्पियन सागर भी इसकी सीमा का हिस्सा है। ईराक में हालांकि अमेरिका समर्थित सरकार है लेकिन वह शायद ही अपनी जमीन का उपयोग ईरान पर हमले के लिए करने दे।

बाकी देशों से भी हमले संभव नहीं हैं। यहां तक कि पाकिस्तान भी तैयार नहीं होगा। तो फिर मामला आता है समुद्र के रास्ते हमले का। लेकिन यह इलाका भी इतना दुर्गम है कि अमेरिकी फौज की वहां कब्र खुद जाएगी। उस इलाके में उसे रिवोल्यूशनरी गार्ड की गुरिल्ला जंग का सामना करना पड़ सकता है। इस बात को ट्रम्प भी अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं।

ईरान को भी अपनी भौगोलिक शक्ति का अंदाज़ा है। दूसरा उसे पता है कि चीन और रूस उसकी सहायता के लिए तैयार हैं। इसलिए वह भी पीछे हटने का नाम नहीं ले रहा है। हकीकत यही है कि दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान पर जमीनी हमले की आशंका से इनकार तो नहीं किया जा सकता लेकिन यह इतना आसान भी नहीं होगा। जब वियतनाम जैसा देश अमेरिका को घुटनों पर ला सकता है तो फिर ईरान का तो कहना ही क्या ? मगर ईरान के लोग यदि ख़ामेनेई की सत्ता उखाड़ने के लिए अंदरूनी तौर पर अमेरिका के साथ हो गए तो फिर पांसा पलट सकता है।



क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजे करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

### बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें। जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को चुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

### अच्छी डॉक्यूमेंट्री दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्ट्रेंड्स की लिटरेसी को सीसैं, स्वयं से और दुनिया से

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

### कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल



## बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा

तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्री देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

### उनके साथ विजज और पजल खेलें

विजज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती है, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती है। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रांस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

### आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।



हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।



### सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

### नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।



## घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

### जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की

स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

### जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल  
यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर

के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

### प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाने समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।



## घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकून के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें। आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझान को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

### चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

### कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

### मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा

लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देगी। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

### गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती है।

### चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

### गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

### पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। पारिजात के फूल को हरसिंघार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।



## 1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और पलेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

### सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं।। सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल। आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- नियमित रूप से पानी डालें।

### कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला

खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।  
**हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल**  
बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती है। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

### धनिया उगाने का आसान तरीका आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

**विधि** - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

### यूपी भाजपा के आठों राज्यसभा उम्मीदवारों का नामांकन दाखिल

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा के सभी आठ उम्मीदवारों ने मंगलवार को विधानभवन पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। नामांकन से पहले सभी प्रत्याशी भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। भाजपा ने सोमवार को उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। इनमें धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और रश्मि गंगवार शामिल हैं। मंगलवार सुबह आठों प्रत्याशी भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। उनके पहुंचते ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी गए। ढोल-नगाड़ों के साथ प्रत्याशियों का स्वागत किया गया। इसके बाद सभी उम्मीदवार समर्थकों और पार्टी नेताओं के साथ विधानभवन के लिए रवाना हुए।

### विदेश मंत्री एस. जयशंकर का 5 दिवसीय अफ्रीका दौरा शुरू

**नयी दिल्ली।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर व्यापार, निवेश और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को घाना, कोटे डी आइवर और इथियोपिया की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि जयशंकर का यह दौरा अफ्रीका के साथ भारत की साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा ‘ग्लोबल साउथ’ के साथ नयी दिल्ली की एकजुटता को आगे बढ़ाएगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और तीनों देशों के साथ नेतृत्व से मुलाकात कर आपसी मित्रता और सहयोग पर आधारित द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, “वार्ता में व्यापार और आर्थिक संबंधों, विकास सहयोग, क्षमता निर्माण तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क सहित द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी।”

### रक्षा मंत्री ने स्लिपवे और इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का किया उद्घाटन

**विशाखापत्तनम।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को विशाखापत्तनम में हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) में देश में बने बड़े जहाज निर्माण और समुद्री बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। यह देश की नौसेना और समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। इस कार्यक्रम के दौरान, रक्षा मंत्री ने पहले फ्लोट सपोर्ट शिप (एफएसएस-1)- जिसका नाम सूर्य रखा गया है- के लॉन्च का निरीक्षण किया, पांचवें फ्लोट सपोर्ट शिप (एफएसएस-5) की कोल रखी, और अपग्रेड की गई बुनियादी ढांचा सुविधाओं (जैसे नया स्लिपवे और क्रेन) का उद्घाटन किया। एचएसएल में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि एक साथ हो रहे ये कई विकास कार्य भारत की बढ़ती समुद्री ताकत और आत्मनिर्भरता को दिखाते हैं। सिंह ने कहा कि आज हम नए स्लिपवे और गोला-बार क्रेन का उद्घाटन कर रहे हैं, एक नए फ्लोट सपोर्ट शिप की कोल रख रहे हैं।

### सीबीआई जांच के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची पंजाब सरकार

**चंडीगढ़।** प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पंजाब के डीजीपी को लिखी गई चिट्ठी से जुड़े मामले में पंजाब सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से करवाने का आदेश दिया था। इसी आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत का रुख किया है। पंजाब की ओर से वरिष्ठ अधिकाा विकास सिंह ने मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की। हालांकि, सीजेआई ने मंगलवार को सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि कल या परसों इस पर विचार किया जा सकता है। शिकायत के बारे में पूछे जाने पर विकास सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को कहा कि आरोप राज्य के अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग से संबंधित हैं। यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है। चुनाव के समय इस तरह के मामले गढ़े जा रहे हैं। राज्य में चुनाव होने वाले हैं। दरअसल पंजाब में मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो की सौंपी गई है।

### बंगाल विधानसभा उपचुनाव विधायक हुमायूं कबीर गिरफ्तार

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में मंगलवार को विधानसभा उपचुनाव की शुरुआत तनावपूर्ण माहौल में हुई। मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में पुलिस के साथ टकराव के बाद आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि नंदीग्राम में मतदाताओं को डराने-धमकाने और मतदान में अनियमितता के आरोप सामने आए। आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक कबीर को मुर्शिदाबाद के रेजीनगर स्थित पार्टी कार्यालय में पुलिसकर्मीयों के साथ तीखी बहस के बाद गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई उनके द्वारा पुलिस पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाए जाने और स्थानीय लोगों से पुलिस की कथित ज्यादतियों का विरोध करने की अपील किए जाने के कुछ घंटे बाद हुई। इस दौरान पुलिसकर्मी कबीर को कुदृष्ट पकड़कर उन्हें एक वाहन तक ले गए। रेजीनगर विधानसभा सीट पर कबीर के बेटे गुलाम नबी आजाद एजेयूपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

## वोटर लिस्ट विवाद पर संसद से निर्वाचन आयोग तक इंडिया ब्लॉक का विरोध मार्च

#### ■ हिरासत में विपक्ष के कई नेता

**नईदिल्ली।** मंगलवार को नई दिल्ली में काफी हंगामा हुआ, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बैरिकेड पार किया और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के विरोध प्रदर्शन के दौरान तिरंगा लहराया। बाद में दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता को हिरासत में ले लिया। इंडिया ब्लॉक के लोकतंत्र बचाओ विरोध मार्च के दौरान प्रियंका गांधी वाड़ा, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव और विपक्ष के कई अन्य वरिष्ठ सांसदों के साथ गांधी को भी हिरासत में लिया गया।

नेता वोटर लिस्ट में कथित हेरफेर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए संसद से भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) मुख्यालय तक मार्च कर रहे थे। पुलिस ने संसद मार्ग के पास भारी बैरिकेड लगाकर मार्च को रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के लिए कोई औपचारिक अनुमति नहीं मांगी गई थी और ईसीआई परिसर में प्रवेश करने की अनुमति केवल 30 सांसदों को ही दी गई थी, जबकि वहां 200 से अधिक सांसद जमा हो गए थे।

कुछ देर तक चले गतिरोध के बाद, जिसमें नेताओं ने सड़क पर धरना दिया, उन्हें पुलिस बसों में ले जाया गया और बाद में रिहा कर दिया गया। विपक्ष का गुस्सा ईसीआई की वोटर लिस्ट में स्पेशल इंटरसिव रिविज़न (एसआईआर) से जुड़ी कथित गड़बड़ियों और वोट की चोरी को लेकर है। गठबंधन का दावा है कि इस रिविज़न से बड़ी संख्या में वोटों के नाम गलत तरीके से हटाए जाने का खतरा है। राहुल गांधी ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ज्ञानेश, हो गया भाई! अब



इस्तीफा देने का समय आ गया है। मार्च के दौरान, विपक्ष के कुछ नेताओं ने ऐसे कटआउट दिखाए जिनमें सीईसी को आरएसएस की यूनिफॉर्म पहने हुए दिखाया गया था।

#### सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर अड़े मल्लिकार्जुन खड़गे

मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च के दौरान, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर आजादी के बाद से नागरिकों को मिले अधिकारों को छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। मार्च के दौरान खड़गे ने चेतावनी दी कि अगर लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर खतरा मंडराया, तो वे चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा मतदाताओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों को मिले अधिकारों पर हमले हो रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि राजीव गांधी जी ने युवा वोटर्स, महिला वोटर्स, किसानों और गरीबों को वे अधिकार दिए जो उन्हें आजादी के बाद मिले थे। आज मोदी सरकार उन अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि आजादी की लड़ाई से बने इस देश की आजादी को सत्ता बनाए रखने के लिए छीनने की कोशिशें हो रही हैं। खरगे ने कहा कि लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के

अधिकारों की रक्षा के लिए वोट देने के अधिकार की रक्षा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे पास वोट हैं, तो लोकतंत्र बचेगा। अगर हमारा लोकतंत्र बचेगा, तो सभी के अधिकारों की रक्षा होगी। संविधान की भी रक्षा होगी।

खरगे ने चुनाव आयोग की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ने अपने ही सदस्यों की आपत्तियों को नज़रअंदाज किया और चुनाव प्रक्रिया को गलत तरीके से चलाया। उन्होंने कहा कि जब आपके चुने हुए सदस्यों, आपके ही लोगों ने बोलेते समय गलती की, तो उन्होंने गलत चुनाव किया और आज हमारे लोगों को गुमराह करके सत्ता में आने की कोशिश की। सत्ता में बैठे लोगों को पद छोड़ने की चेतावनी देते हुए खरगे ने कहा कि इसीलिए हम ऐसा कर रहे हैं। पहले कुर्सी छोड़िए। वरना देश में हंगामा होगा। देश की जनता चुप नहीं बैठेगी। यह उन्हें मेरी चेतावनी है। उन्होंने आगे कहा, लोग सब कुछ करेंगे, लेकिन अपनी आज़ादी छोड़ने को तैयार नहीं हैं। सरकार को खत्म हो जाना चाहिए।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा, क्योंकि चुनाव आयोग से जनता का भरोसा उठ गया है। उन्होंने कहा कि यह तय है कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा; लोगों का चुनाव आयोग से भरोसा उठ गया है। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने सीईसी की आलोचना करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हट जाना चाहिए। एसआईआर को खत्म कर दिया जाना चाहिए। हटाए गए सभी वोट वोटर लिस्ट में वापस जोड़े जाने चाहिए। इस साजिश के पीछे की ताकतों का पता लगाने और उन्हें बेनकाब करने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए।

### सैंसेक्स 685 अंक चढ़ा निफ्टी 22,750 पार

**नई दिल्ली।** भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में शानदार वृद्धि दर्ज की गई। सेंसेक्स 685.34 अंक बढ़कर 73,067.81 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 220.35 अंक की बढ़त के साथ 22,776.10 पर पहुंच गया। निवेशकों को बिकवाली के दबाव में कमी आने से कुछ राहत मिली। बाजार में यह तेजी व्यापक स्तर पर देखी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और हिंदुस्तान यूनिलिवर (एचयूएल) के शेयरों में तीन फीसदी की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे कमजोर होकर 96.43 पर बंद हुआ। बाजार गिरावट अस्थायी आंकड़ों पर आधारित है। यह सेंसिजि शक्ति के प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई थी। रसायन क्षेत्र ने सबसे अधिक लाभ दर्ज किया। इसके बाद फार्मा और तेल व गैस क्षेत्र में भी अच्छी वृद्धि देखी गई।

### सर्विस सेक्टर में तेजी, सितंबर में बढ़कर 55.2 हुआ पीएमआई

**नईदिल्ली।** मंगलवार को जारी एक प्राइवेट सर्वे के अनुसार, सितंबर में भारत के सर्विस सेक्टर की एक्टिविटी में तेजी आई और यह तीन महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि नए ऑर्डर और इंटरनेशनल डिमांड में सुधार हुआ। एचएसबीसी इंडिया सर्विस परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त के 54.1 से बढ़कर सितंबर में 55.2 हो गया। सर्वे में कहा गया, भारत की सर्विस इंडोमनी ने दूसरे फाइनेंशियल क्वार्टर की शुरुआत की तुलना में इसे मजबूत स्थिति में खत्म किया, क्योंकि बेहतर सेल्स परफॉर्मेंस ने बिजनेस एक्टिविटी की ग्रोथ को तीन महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया। सितंबर की रीडिंग 50 के निशान से ऊपर रही, जो एक्टिविटी में विस्तार को दिखाती है, जबकि 50 से नीचे का नंबर गिरावट को दर्शाता है।

### विश्व बैंक ने बढ़ाया भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ अनुमान

**नई दिल्ली।** भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक अच्छी खबर सामने आई है। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान 6.6% से बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। बैंक के मुताबिक, महंगाई और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग ने अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। विश्व बैंक ने दक्षिण एशिया की 2026 की ग्रोथ का अनुमान भी बढ़ाकर 6.9% कर दिया है। यह उसके पिछले अनुमान से 60 बेसिस पॉइंट अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था ने हाल के महीनों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। अप्रैल-जून तिमाही में देश की जीडीपी ग्रोथ 7.8% रही थी। विश्व बैंक के मुताबिक, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद दक्षिण एशिया में घरेलू खपत पर बड़ा असर नहीं पड़ा है। मजबूत रेमिटेस और घरेलू मांग ने अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से निपटने में मदद की है।

### यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में 32 प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई।** भारत में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 32.1 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कुल वाहन खुदरा बिक्री 25,36,920 इकाई रही, जो सितंबर 2025 की तुलना में 31.82 प्रतिशत अधिक है। उद्योग निकाय फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल डीलर्स (फाडा) के अनुसार, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की मांग 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई रही जबकि सितंबर 2025 में यह 13,45,153 इकाई थी। वहीं, तिपहिया वाहनों की बिक्री 22.25 प्रतिशत बढ़कर 1,32,570 इकाई रही। बयान में कहा गया कि सितंबर 2026 में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 37.62 प्रतिशत बढ़कर 1,03,557 इकाई रही।

### स्टेल प्रमुख समाचार

### कप्तान हरमनप्रीत कौर का कप्तानी से संन्यास

**नईदिल्ली।** भारत की वर्ल्ड कप जीतने वाली कप्तान और महिला टीम की अहम खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार, 6 अक्टूबर को अपनी भूमिका छोड़ने का फैसला किया है। हरमनप्रीत का यह फैसला एशियन गेम्स 2026 में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने के बाद आया है, जिससे भारत की सबसे बेहतरीन महिला कप्तानों में से एक के तौर पर उनकी विरासत और मजबूत हुई है। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट के जरिए यह फैसला सुनाया। उन्होंने साफ़ किया कि वह टीम का हिस्सा बनी रहेंगी और उन्होंने यह फैसला टीम को और बेहतर बनाने में मदद करने के लिए लिया है। इस फैसले का मतलब है कि हरमनप्रीत भारत के लिए खेल के सभी फॉर्मेट में कप्तानी की भूमिका छोड़ देंगी। कप्तान के तौर पर अपने समय को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम के लिए अपना सब कुछ दिया और उन्हें विश्वास है कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी की है। उन्होंने लिखा, मैंने इस टीम और भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अपना सब कुछ दिया है – अपना खून–पसीना, अपना समय और कई बार अपने खेल और निजी महत्वाकांक्षाओं का भी एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए जब मुझे अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन, अपनी तरक्की और मेरी चाहतों को एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि अपना चाहना ? या कि टीम सबसे पहले है। उन्होंने कहा कि कप्तान के तौर पर उन्हें मुश्किल फैसले लेने पड़े, जिन्हें हमेशा समझा नहीं गया और जिनकी उन्हें व्यक्तिगत कीमत थी चुकानी पड़ी। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मेरा हर फैसला एक ही मकसद से लिया गया था – इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर भरोसा करने और अपना सर्वश्रेष्ठ रूप पाने का मौका देना। उन्होंने लिखा, मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम के लिए अपना सब कुछ दिया।

### आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

### प्रमुख समाचार

### जयंतीलाल भंडारी

यकीनन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीति और टैरिफ संबंधी रणनीति के कारण इस समय अमेरिका और भारत के आर्थिक संबंध संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। 30 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय रचनात्मक बातचीत हुई थी, पर हाल ही में अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जटिल होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में, आगे का आर्थिक रास्ता चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। अमेरिका के बढ़ते टैरिफ और सख्त आर्थिक नीतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था, निर्यातकों व पेशेवरों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले माह ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले भारत-चीन समेत पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने वाले

बिल पर हस्ताक्षर कर दिया है। हालांकि, यह कानून स्वचालित रूप से तुरंत टैरिफ लागू नहीं करता है। किस देश पर कितना टैरिफ लगाना या राष्ट्रीय हित में किसे छूट देनी है, इसका अंतिम निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति के पास ही रहेगा। अमेरिका-चीन की नजदीकी भी भारत के लिए नई चुनौती बनती दिख रही है। शी जिन्पिंग की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप ने 10 जनवरी, 2027 तक चीन पर 100 प्रतिशत या अन्य कोई नया टैरिफ नहीं लगाने का आश्वासन दिया है, जबकि भारत के लिए यह चुनौती बनी हुई है।

एक तरफ जहां रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, वहीं अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। यदि अमेरिका भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू करता है, तो इससे भारतीय निर्यात को भारी झटका लग सकता है। इसके अलावा, हाल ही में एक आदेश के माध्यम से



ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर लगाए गए एक लाख डॉलर के अतिरिक्त शुल्क को एक साल के लिए बढ़ा दिया है और वीजा नियमों को पहले से अधिक सख्त कर दिया है। हालांकि, इस भारी-भरकम शुल्क से उन विदेशी नागरिकों को छाट दी गई है, जो पहले से अमेरिका में छात्र वीजा एच-1 पर रह रहे हैं या अपने मौजूदा वीजा का नवीनीकरण करा रहे हैं।

इस फैसले का सबसे गहरा असर भारतीय पेशेवरों, डॉक्टरों और आईटी कंपनियों पर पड़ेगा, क्योंकि कुल मंजूर एच-

1बी वीजा में भारतीय मूल के लोगों की हिस्सेदारी करीब 71 प्रतिशत है। यही नहीं, ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य गैर-आवासी वीजाधारकों की नौकरी छूटने के बाद मिलने वाली 60 दिन की मोहलत को खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। यदि नया प्रस्ताव लागू होता है, तो नौकरी समाप्त होते ही कर्मचारी का वैध गैर-अप्रवासी दर्जा भी तुरंत खत्म हो जाएगा। ऐसे में, नई नौकरी मिलने पर भी उन्हें अमेरिका से बाहर जाकर दोबारा वीजा के लिए आवेदन करना पड़ सकता है। इसका सर्वाधिक असर भारतीय आईटी पेशेवरों पर पड़ेगा, जो बड़ी संख्या में एच-1बी वीजा पर निर्भर हैं।

इसी प्रकार व्हाइट हाउस के ‘ऑफिस ऑफ ट्रेड एंड मैनुफैक्चरिंग पॉलिसी’ की द ग्रेट ट्रांसशिपमेंट स्कैम रिपोर्ट में भारत समेत 40 से अधिक देशों पर चीन द्वारा अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए अवैध री-रूटिंग

नेटवर्क का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है। भारत सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भारत में सख्त कस्टम्स नियम और मजबूत कानून लागू हैं। अमेरिकी प्रशासन द्वारा आयातित जैविक औषधियों पर चरणबद्ध तरीके से एक अगस्त, 2026 से नई शुल्क नीति लागू कर दी गई है। हालांकि को शुल्क दो वर्षों के लिए आयातित दवाओं को शुल्क से मुक्त रखा गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में दवा आपूर्ति बाधित न हो। लेकिन, एक अगस्त, 2029 के बाद इस शुल्क को बढ़ाकर 200 प्रतिशत के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा।

इस तरह बढ़ती आर्थिक और व्यापारिक चुनौतियों के बीच भारत को अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत कृषि व एम्एसएमई सहित अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के प्रति अत्यंत सतर्क रहना होगा।

षष्ठी मंदिर के पास सड़क की सफाई से दिये स्वच्छता का संदेश

# राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की अगुवाई में चला स्वच्छता अभियान

**रायपुर।** सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत जिले में अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्वच्छता अभियान प्रमुख है। इसी कड़ी में सोमवार को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की अगुवाई में बलौदाबाजार स्थित षष्ठी मंदिर के आस –आस स्वच्छता अभियान चलाया गया।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने हाथ में झाड़ू लिये सड़क पर बिखरे कचरे की सफाई की और कूड़ो को उठाकर डस्टबीन मे डाला। इस प्रतीकात्मक स्वच्छता अभियान से लोगों को स्वच्छता अपनाने और कहीं भी कचरा नहीं फेंकने का संदेश दिया गया।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के अवसरत 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है इसके तहत



सेवा मेरा योगदान अंतर्गत यहां स्वच्छता अभियान चलाया गया।उन्होंने कहा कि स्वच्छता को अपनाना एक आदत है जो धीरे धीरे बनता है। अब स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है और इस अभियान से जुड़ रहे हैं।

इस दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा,भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, नगर पालिका उपाध्यक्ष जीतेन्द्र महले, राकेश ध्रुव,योगेश अग्रवाल,सुनीता वर्मा,नीलम सोनी सहित पार्षदगण मौजूद रहे।

**स्वच्छता एक आदत है जो धीरे-धीरे संस्कार बनती है**  
राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 सफल वर्षों के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता केवल एक दिवस का कार्य नहीं, बल्कि एक आदत है जो धीरे-धीरे हमारे व्यवहार का हिस्सा बनती है। हर्ष का विषय है कि आज इस अभियान के माध्यम से जन-जन में स्वच्छता के प्रति अभूतपूर्व जागरूकता देखने को मिल रही है। स्वच्छता के इस महाअभियान में कलेक्टर , भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य उपाध्यक्ष, नगर पालिका उपाध्यक्ष सहित विभिन्न वर्गों के पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होकर अपना श्रमदान दिया।

## प्रमुख सचिव बोरा ने पीएम आवास और ई-बस सेवा के निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

**बिलासपुर।** नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान सकरी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित आवासों और कोनी में पीएम ई-बस सेवा के लिए बनाए जा रहे बस टर्मिनल एवं चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया और अधिकारियों को कमियां तत्काल दूर करते हुए शेष कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने सकरी में प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी घटक के तहत बनाए जा रहे आवासों का निरीक्षण किया। फ्लोर पर टाइल्स नहीं लगे



होने और फिनिशिंग कार्य अधूरा मिलने पर उन्होंने गंभीर नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम के इंजीनियरों एवं निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को कमियों में सुधार कर फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने किचन एवं प्लेटफॉर्म के आकार को लेकर भी अधिकारियों से सवाल-जवाब किए और अब तक हुए निर्माण कार्यों तथा उपयोग की गई भवन सामग्री की जानकारी

ली। श्री बोरा ने आवासीय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करने, सामुदायिक भवन, लोगों और बुजुर्गों के बैठने के लिए कुर्सियां लगाने और बच्चों के लिए खेल क्षेत्र विकसित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए 15 दिनों बाद प्रगति की पुनः समीक्षा करने की बात कही। सकरी में भूभाग 11 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 261 आवास तैयार किए गए हैं। वर्तमान में अंतिम चरण के फिनिशिंग कार्य शेष हैं।

## सेवा संकल्प अभियान के तहत रुद्री में योग एवं ध्यान कार्यक्रम आयोजित

**धमतरी।** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज रूद्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर खेल मैदान, रुद्री में जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त सहयोग से योग एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति स्वास्थ समिति श्रीमती मोनिका देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर जनपद सदस्य श्रीमती अनीता देवांगन तथा सरपंच श्रीमती लक्ष्मी बया, रुद्री सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को योग एवं ध्यान के विभिन्न अभ्यास कराए गए। योग विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए नियमित



योगाभ्यास के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही प्राणायाम, ध्यान एवं सरल योगासनों के माध्यम से तनाव कम करने, एकग्रता बढ़ाने तथा शरीर को स्वस्थ एवं सक्रिय रखने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती मोनिका देवांगन ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग और ध्यान अत्यंत उपयोगी हैं। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति अपने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक संतुलन को भी बेहतर बनाए रख सकता है।

## 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग समापन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार –भाटापारा जिले के पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में 3 से 6 अक्टूबर तक आयोजित चार दिवसीय 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य समापन हुआ। शैक्षणिक पांचों संभाग के खिलाड़ियों ने बैड की धुन पर आकर्षक मार्च पास्ट किया। समारोह के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने ध्वज अवरोहण कर प्रतियोगिता के समापन की विधिवत घोषणा की और विभिन्न विधाओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं सम्मानित किया। शानदार प्रदर्शन के दम पर रायपुर संभाग ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इस दौरान मंत्री श्री यादव ने बलौदाबाजार में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) खोलने की बड़ी घोषणा की।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-



साथ विभिन्न संस्कृतियों, खान-पान और रहन-सहन को भी सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई से 31 अक्टूबर तक चलने वाली इस स्पर्धा का उद्देश्य बच्चों को अलग-अलग जिलों की संस्कृति से रूबरू कराना है। हार-जीत पर सीख देते हुए उन्होंने कहा कि हार से निराश होने के बजाय कमियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय खेल में शामिल कराए गए श्कुराशखेल का आयोजन भी इसी स्पर्धा के तहत बलौदाबाजार में हुआ है। रम्बी (14 वर्ष) बालक और बालिका दोनों वर्गों में रायपुर संभाग प्रथम,

बस्तर द्वितीय तथा दुर्ग संभाग तृतीय स्थान पर रहा। नेटबॉल (19 वर्ष) बालक और बालिका दोनों वर्गों में रायपुर संभाग ने प्रथम, बिलासपुर ने द्वितीय और दुर्ग संभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 14 वर्ष बालक दुर्ग प्रथम, सरगुजा द्वितीय, रायपुर तृतीय। बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, बिलासपुर द्वितीय, दुर्ग संभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 17 वर्ष बालक रायपुर प्रथम, सरगुजा द्वितीय, दुर्ग तृतीय। बालिका वर्ग में दुर्ग प्रथम, बिलासपुर द्वितीय, रायपुर तृतीय। 19 वर्ष बालक रायपुर प्रथम, सरगुजा द्वितीय, दुर्ग तृतीय।

## दिल्ली से सरगुजा के लिए मिली रेल, अब सप्ताह में दो दिन ट्रेन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के रेल यात्रियों को बड़ी सुविधा मिली है। अम्बिकापुर से हजरत निजामुद्दीन के बीच संचालित एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा अब सप्ताह में एक दिन के स्थान पर दो दिन उपलब्ध होगी। मंगलवार को अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से द्विसाप्ताहिक ट्रेन को साप्ताह चिंतामणि महाराज ने हरी झंडी दिखाकर निर्धारित सुबह 7.30 पर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से मुलाकात कर उन्हें पुष्प भेंट किए और सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

बिलासपुर मंडल द्वारा गाड़ी संख्या 2 2 4 0 7 अम्बिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस का संचालन अब प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को किया जाएगा। ट्रेन अम्बिकापुर से प्रातः 7.30 बजे रवाना होगी। वहीं गाड़ी संख्या 22408 हजरत निजामुद्दीन-अम्बिकापुर एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार को रात्रि 11 बजे हजरत निजामुद्दीन से रवाना होगी। सेवा आवृत्ति बढ़ाए जाने



से सरगुजा संभाग के यात्रियों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए सप्ताह में एक अतिरिक्त सीधी रेल सेवा उपलब्ध हो गई है। सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि अम्बिकापुर से दिल्ली के लिए सप्ताह में दो दिन ट्रेन संचालन की मांग लंबे समय से

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

### राज्यपाल रमेन डेका से महाराजा कमल चंद्र भंज देव ने की भेंट



**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में बस्तर राज परिवार के माटी पुजारी एवं रथपति महाराजा श्री कमल चंद्र भंज देव ने सोजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को बस्तर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक दशहरा उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। राज्यपाल को श्री भंज देव ने दशहरा उत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले महाराजा नवाखाई एवं महाराजा बाहर रहनी कार्यक्रमों में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं तथा उत्सव के विभिन्न आयोजनों की जानकारी भी राज्यपाल को दी। राज्यपाल श्री डेका ने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और लोक आस्था का प्रतीक है। इसकी अनूठी परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

### बैलेट पेपर से चुनाव हो जाए तो भाजपा 50 साल सत्ता से दूर रहेगी

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की चुनावी जीत के पीछे जनता का भरोसा नहीं, बल्कि ईवीएम की गड़बड़ी और वोट चोरी का काला साया है। यदि देश में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से बैलेट पेपर से आम चुनाव करा दिए जाएं तो भाजपा आने वाले 50 वर्षों तक सत्ता से दूर हो जाएगी। यही वजह है कि भाजपा बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग से

घबरा रही है और ईवीएम वोट चोरी के समर्थन में पूरी ताकत से खड़ी है। आजादी के बाद लंबे समय तक संघ समर्थित दलों को जनता ने सत्ता से दूर रखा। जनसंघ से जनता पार्टी और फिर भारतीय जनता पार्टी तक का सफर बताता है कि भाजपा को अपना राजनीतिक स्वरूप और नाम बदलने पड़े। आज जनता भाजपा को जुमला पार्टी के नाम से पुकार रही है। भाजपा को डर है कि यदि चुनाव में बैलेट पेपर की पारदर्शी व्यवस्था लागू हुई तो उसके दावों की वास्तविकता जनता के सामने आ जाएगी। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार से किसान, युवा, व्यापारी, महिलाएं और आम नागरिक परेशान हैं।

### ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर आप का आज राज्य निर्वाचन आयोग का विशाल घेराव

**रायपुर।** मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे एवं उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा 08 अक्टूबर 2026 को रायपुर के नलचर चौक में



प्रदर्शन कर राज्य निर्वाचन आयोग का घेराव किया गया। छत्तीसगढ़ के सभी 90 विधानसभा से हजारों कार्यकर्ता राजधानी में प्रदर्शन में शामिल होंगे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मिहिर कुर्मी ने कहा कि देश में ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं और आम आदमी पार्टी लगातार ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग कर रही है। कल ही सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म 6 मामले में श्रद्धु और केंद्र को नोटिस भेजा है कोर्ट ने जवाब मांगा है कि फॉर्म 6 किसकी परमिशन से वेबसाइट में अपलोड किया। लेकिन ज्ञानेश कुमार और आयोग तानाशाह बना हुआ है।

### बढ़ती महंगाई से देश का आम आदमी परेशान : कांग्रेस

**रायपुर।** बढ़ती महंगाई पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। देश का थोक महंगाई सूचकांक आजादी के बाद सबसे ऊंचे पायदान 10 (9.78) तक पहुंच गया है। रोजमर्रा की जरूरतों के समानो की बेतहाशा बढ़ी महंगाई तथा खाद्य तेल, शक्कर प्याज के बढ़े दाम आम आदमी को परेशान कर रहे हैं। राशन सामाग्री के दाम दुगुने हो गये हैं, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा बड़े

बिजली बिल से जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। जो समान जनवरी 2015 में 1000 का था वह सितंबर 2026 में 1729 रू. का हो गया है। 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर अच्छे दिन लाने वाले मोदी के शासनकाल में जनता बर्दत्त दिन में जीवन काटने को मजबूर है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि त्योहार के मौसम में खाद्य सामाग्रीयो की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फोका कर दिया है। आम आदमी त्योहार कैसे मनाये। खाद तेल के दाम दोगुने हो गये हैं। प्याज 70 रू. किलो पहुंच गया है। आम गुहणी की रसोई का बजट बिगड़ गया है। अच्छे दिनों का वादा कर सरकार में आई मोदी सरकार ने आम आदमी को महंगाई से परेशान कर रखा है। दाल की कीमतें दोगुनी हो गई है।

### पीएम स्वनिधि से साहिन के व्यवसाय को मिला सहारा

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जरूरतमंदों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों और पत्र विक्रेताओं के लिए ऐसा ही सहारा बन रही है। योजना का लाभ लेकर रायपुर की साहिन खान ने अपने फल एवं सब्जी के व्यवसाय को आगे बढ़ाया और अब वे आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। साहिन खान फल एवं सब्जियों का व्यवसाय करती हैं। सीमित पूंजी के कारण वे अपनी दुकान में जरूरत के अनुरूप पर्याप्त सामान नहीं रख पाती थीं। इसका सीधा असर उनके व्यवसाय और आमदनी पर पड़ता था। ग्राहक की मांग के अनुरूप फल-सब्जियां उपलब्ध नहीं होने से कारोबार को आगे बढ़ाना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। इसी भी उद्देश्य से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। योजना के माध्यम से उन्हें 15 हजार रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से साहिन ने अपनी दुकान के लिए आवश्यक फल एवं सब्जियों की मात्रा बढ़ाई। दुकान में पर्याप्त सामान उपलब्ध होने से ग्राहकों की संख्या बढ़ने लगी और उनका व्यवसाय भी बेहतर ढंग से चलने लगा। साहिन बताती हैं कि पूंजी की कमी के कारण पहले व्यवसाय को बढ़ाना कठिन था। पीएम स्वनिधि से मिली आर्थिक सहायता ने उनकी इस परेशानी को दूर किया।

## मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में अभनपुर में आयोजित हुआ विधानसभा स्तरीय सेवा सेतु शिविर शिविर में 11,564 हितग्राहियों को मिला योजनाओं लाभ

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक सहज एवं त्वरित रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अभनपुर में विधानसभा स्तरीय सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की योजनाओं के माध्यम से कुल 11 हजार 564 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर में अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को पट्टा, चेक, सामग्री किट, प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति पत्र सहित अन्य हितलाभों का वितरण किया। उन्होंने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन



और हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी भी ली।

इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने कहा कि मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सेवा सेतु शिविर के

माध्यम से नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिल रहा है। शिविर में ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा 8 जॉब कार्ड, 54 बकरी शेड, प्रधानमंत्री आवास के 20 तथा स्वच्छ भारत

मिशन के 31 हितलाभ प्रदान किए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 6 हितग्राहियों को लाभ मिला। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्रदान कार्यक्रम तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 11 मैथ्स टीचिंग किट का वितरण किया गया। कृषि विभाग ने हितग्राहियों को सांइल हेल्थ कार्ड एवं कीटनाशक स्प्रेयर प्रदान किया। नगर पालिका अभनपुर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना/भवन अनुज्ञा से संबंधित 25 हितलाभ तथा गोवरा नवापारा नगर पालिका द्वारा 9 हितलाभ प्रदान किए गए। खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा श्रवण यंत्र एवं छड़ी, उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी मिनी किट और मत्स्य विभाग द्वारा जाल का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयुष्मान से संबंधित सेवाओं का लाभ भी दिया गया।

### कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने ली समय सीमा की बैठक

**रायपुर।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं तथा आगामी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए अविवादित खाता विभाजन, विवादित एवं अविवादित नामांतरण के दर्ज प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसान पंजीयन एवं पीजी पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए

समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित करने कहा। साथ ही आरबीसी 6(4) के सभी लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने तथा शिविरों को प्रभावी ढंग से संचालित करने कहा।

बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टेक के अंतर्गत संचालित डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मैदानी स्तर पर सर्वे कार्य में तेजी लाते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए।